संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 30
पृष्ठ 8
गुरूवार
16 अक्टूबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- अब नहीं टूटेगी कांच की बर्निया...

विचार- दीप पर्व पर उज्ज्वल भावों से...

खेल- ऑस्ट्रेलिया दौरा रोहित और कोहली...

अब वो सरकार नहीं...जो दंगाइयों के सामने घुटने टेक दे : योगी

- बेटियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया तो यमराज टिकट काटेंगे
- पहली बार बिना भेदभाव के गरीबों तक पहुंची योजनाएं

लखनऊ, संवाददाता। सीएम योगी ने बुधवार को कहा, त्योहारों का उद्देश्य यही है कि हम अकेले नहीं, बल्कि सामूहिक रूप से इस उत्साह का हिस्सा बनें। 2021 में राज्य सरकार ने तय किया था कि वर्ष में दो बार होली और दीपावली के अवसर पर उज्ज्वला योजना के सभी लाभार्थियों को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर दिए जाएंगे। इसी क्रम में आज प्रदेश के 1.86 करोड़ परिवारों को यह सौगात दी जा रही है। पिछले आठ वर्षों में प्रदेश में सभी त्योहार, होली, दीपावली, ईद, क्रिसमस, गुरु पर्व, जन्माष्टमी या रामनवमी पूरी शांति, सौहार्द और उमंग के साथ मनाए गए हैं। अब वह सरकार नहीं है जो दंगाइयों के सामने घुटने टेक दे। यह सरकार जो जिस भाषा में समझेगा, उसी भाषा में जवाब देना जानती है। उत्साह और उमंग के त्योहार में यदि किसी ने व्यवधान डाला तो जेल की सलाखें उसका इंतजार कर रही हैं। सीएम योगी ने कहा, किसी भी लोककल्याणकारी सरकार का दायित्व होता है कि वह शासन की योजनाओं का लाभ ईमानदारी से उन गरीबों, वंचितों और दलितों तक पहुंचाए, जो इसके पात्र हैं। आजादी के बाद पहली बार गरीबों को बिना भेदभाव के योजनाओं का लाभ तब मिलना शुरू हुआ। जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने। 2014 के पहले गैस कनेक्शन लेना भी एक संघर्ष था, लेकिन मोदी जी ने 11 करोड़ गरीब परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिलाए। अकेले उत्तर प्रदेश के 1.86 करोड़ परिवारों को इसका लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि पहले गरीब लकड़ी, कोयले या उपलों में खाना पकाते थे जिससे परिवार बीमार पड़ते थे। आज उज्ज्वला योजना ने नारी गरिमा को सम्मान दिया है और घर–घर में स्वास्थ्य और सुविधा का उजाला फैलाया है।

सीएम योगी ने कहा, 2017 के पहले प्रदेश में परिवार से ऊपर कोई सोच नहीं थी। सैफई परिवार के अलावा किसी और की चिंता नहीं होती थी। चाचा–भतीजा और महाभारत के किरदारों की राजनीति में गरीबों की योजनाएं लूट ली जाती थीं। नौकरियों में डकैती, विकास के पैसे में छीना–झपटी होती थी और त्योहार भी दंगों की भेंट चढ़ जाते थे। डबल इंजन की सरकार आने के बाद अब प्रदेश को परिवार मानकर काम हो रहा है। किसी की जाति नहीं पूछी जाती, किसी से भेदभाव नहीं होता। सबका साथ, सबका विकास, यही हमारा मंत्र है।

सीएम योगी ने कहा, सरकार की नीति स्पष्ट है। अगर किसी ने बेटी की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया, तो अगले चौराहे पर यमराज टिकट काटने के लिए खड़ा होगा। यदि किसी को यमराज से टिकट कटवाना हो तो वह किसी राह चलती बेटी के साथ छेड़खानी करके देख ले। यह हमारी वचनबद्धता है कि हर बेटी, हर व्यापारी, हर राहगीर को सुरक्षा देंगे। जो भी रंग में भंग डालने की कोशिश करेगा, जेल की सलाखें उसका इंतजार कर रही हैं। सीएम योगी ने दीपावली पर 'स्वदेशी' को बढ़ावा देने की अपील करते हुए कहा, दीपावली पर हर परिवार कुछ न कुछ खरीदता है। जो भी खरीदे, वह स्वदेशी हो। हमारे कारीगर, हस्तशिल्पी, स्थानीय उद्यमी जो भी बनाएं, वही खरीदें। हमारे घर में जो दीपक जले, वह हमारे ही कुम्हार द्वारा बना हो। लक्ष्मी–गणेश की मूर्तियां हमारे कारीगरों की बनाई हों, विदेश से नहीं। जब यह पैसा स्थानीय कारीगरों, श्रमिकों और हस्तशिल्पियों तक पहुंचेगा, तभी समृद्धि देश तक पहुंचेगी और भारत विकसित बनेगा।

मणिपुर में जबरन वसूली के आरोप में तीन उग्रवादी गिरफ्तार

मणिपुर, एजेंसी। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के अलग–अलग ज़िलों से विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के तीन उग्रवादियों को जबरन वसूली में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (कोइरेंग) के एक सक्रिय सदस्य को सोमवार शाम तेंगनौपाल ज़िले की मुस्लिम बस्ती से गिरफ्तार किया गया। उग्रवादी की पहचान बिकी सागोलसेम के रूप में हुई है। प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (अपुनबा) के एक सदस्य को इंफाल वेस्ट जिले के लाम्फेल से गिरफ्तार किया गया। कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के एक सदस्य को इंफाल ईस्ट जिले के तोप माखा स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि उसकी पहचान वांगखेराकपम रोमियो मेइती (45) के रूप में हुई है और वह कथित तौर पर घाटी क्षेत्र में ईंट भट्टा मालिकोंऔर निवासियोंसे पैसे वसूलने में शामिल था।

दिल्ली-एनसीआर में अब पटाखों वाली दिवाली

सुप्रीम कोर्ट ने ग्रीन क्रैकर्स की इजाजत दी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली–एनसीआर में दिवाली के त्योहार के लिए अस्थायी उपाय के तौर पर केवल 18–21 अक्टूबर तक हरित पटाखे फोड़ने की अनुमति दी। यह अनुमति सुबह 6 बजे से 7 बजे तक और फिर रात 8 बजे से 10 बजे के बीच दी गई है। आदेश की घोषणा करते हुए, मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने 14 अक्टूबर, 2024 के उस आदेश का हवाला दिया, जब दिल्ली सरकार ने पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया था, जिसे बाद में पूरे एनसीआर में लागू कर दिया गया था। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हमें एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा, पर्यावरण से समझौता किए बिना संयमित रूप से अनुमति देनी होगी। एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए, न्यायालय ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण से समझौता किए बिना हरित पटाखों के सीमित उपयोग की अनुमति होगी। न्यायालय ने पुलिस अधिकारियों को गश्ती दल बनाने का निर्देश दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल क्यूआर कोड वाले अनुमोदित पटाखे ही बेचे जाएँ। इसने यह भी आदेश दिया कि दिल्ली–एनसीआर क्षेत्र के बाहर से आने वाले किसी भी पटाखे को इस क्षेत्र में अनुमति नहीं दी जाएगी। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी आदेश दिया कि नकली या अनधिकृत पटाखों का कारोबार करने वाले विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित कर दिए जाएं।

दवा-सौंदर्य प्रसाधन पर सख्त कानून ला रही मोदी सरकार

जांच-निगरानी होगी कड़ी, मसौदा तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। कई राज्यों में दूषित कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामलों के बाद केंद्र सरकार दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की सख्त गुणवत्ता जांच और निगरानी के लिए कानून लाने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के अनुसार 'औषधि, चिकित्सा उपकरण और सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 2025' का मसौदा मोदी सरकार संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में पेश कर सकती है। देश में चिकित्सा उत्पादों के लिए सुरक्षा और गुणवत्ता नियंत्रण मानदंडों के सख्त अनुपालन की बढ़ती मांग के बीच, केंद्र सरकार चिकित्सा उपकरणों और सौंदर्य प्रसाधनों के नियमन के साथ–साथ दवा गुणवत्ता परीक्षण और बाजार निगरानी के लिए कानूनी ढांचे को मजबूत करने के लिए एक कानून बना रही है। इस कानून का मसौदा तैयार करने के पीछे एक प्रमुख कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित दुनिया भर के स्वास्थ्य नियामकों द्वारा भारतीय दवा निर्माताओं द्वारा गुणवत्ता संबंधी गंभीर खामियों को लेकर बार–बार की गई शिकायतें और चिंताएं हैं। एक दिन पहले मंगलवार (14 अक्तूबर) को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की एक उच्च–स्तरीय बैठक में भारतीय औषधि महानियंत्रक (क्ब्ळप्) डॉ. राजीव रघुवंशी मसौदा पेश किया गया। जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने की थी। बैठक के दौरान भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रस्तावित कानून की रूपरेखा प्रस्तुत की। यह बैठक मध्य प्रदेश में दूषित कफ सिरप के कारण कई बच्चों की मौत के कुछ दिनों बाद हो रही है।

सूत्रों ने बताया कि स्वीकृत होने के बाद नया कानून सीडीएससीओ अधिकारियों को घरेलू उपयोग और निर्यात दोनों के लिए भारत में निर्मित दवाओं, चिकित्सा उपकरणों और सौंदर्य प्रसाधनों की सख्त गुणवत्ता जांच और निगरानी सुनिश्चित करने का वैधानिक अधिकार प्रदान करेगा। बताया जा रहा है कि नए कानून के तहत, सीडीएससीओ को पहली बार नकली या घटिया दवाओं के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के लिए वैधानिक अधिकार प्रदान किए जाएंगे। इसी के साथ लाइसेंसिंग प्रक्रिया को डिजिटल बनाने, राज्य–स्तरीय नियामकों के बीच समन्वय बढ़ाने और परीक्षण प्रयोगशालाओं की क्षमताओं को उन्नत करने के प्रावधान भी शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एससी के ग्रीन पटाखों पर फैसले का किया स्वागत, बोलीं- दिल्ली की दिवाली होगी हरित

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा पटाखों पर प्रतिबंध की शर्तों में ढील देने के फैसले का स्वागत किया, जिससे दिवाली पर दिल्ली–एनसीआर क्षेत्र में ग्रीन पटाखों की बिक्री और फोड़ने की अनुमति मिल गई। आभार व्यक्त करते हुए, दिल्ली की मुख्यमंत्री ने इस फैसले को पर्यावरण संरक्षण और त्योहार की भावना के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण बताया।

एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने कहा कि हम दिल्ली सरकार के विशेष अनुरोध पर राजधानी में ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति देने के लिए माननीय सुप्रीम कोर्ट के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

बिहार में गतिरोध खत्म! अमित शाह से मुलाकात के बाद बोले उपेंद्र कुशवाहा, बनेगी एनडीए सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार चुनाव से पहले सीट बंटवारे को लेकर गतिरोध के बीच राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने बुधवार को एनडीए अध्यक्ष अमित शाह से मुलाकात की। मुलाकात के बाद, कुशवाहा ने कहा कि पटना में हुई बातचीत के दौरान गठबंधन में कुछ मुद्दे और अनिश्चितताएँ थीं, लेकिन अब मुलाकात हो चुकी है। उन्होंने विश्वास जताया कि बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी। कुशवाहा ने कहा कि उन्होंने अमित शाह के साथ विचार–विमर्श किया और उम्मीद है कि आगे कोई मुश्किल नहीं आएगी। उन्होंने बताया कि महुआ सीट पर भी चर्चा हुई, जहाँ से वह अपने बेटे को चुनाव लड़ाना चाहते हैं। महुआ सीट के बारे में उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि इसकी घोषणा के लिए अलग से प्रेस कॉन्फ्रेंस की जाएगी। इससे पहले, भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ उनकी बैठक में मतभेदों को दूर करने में विफल रहने के बाद, कुशवाहा ने एनडीए में ष्सब कुछ ठीक नहींष कहकर गठबंधन की आंतरिक गतिशीलता पर चिंता व्यक्त की थी। इसके बाद, अमित शाह ने उन्हें मौजूदा मुद्दों पर चर्चा के लिए दिल्ली आमंत्रित किया। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मैं दिल्ली जा रहा हूँ। एनडीए में लिए जा रहे फैसलों पर कुछ विचार–विमर्श करने की ज़रूरत है। मैं उसी पर बातचीत करने के लिए दिल्ली जा रहा हूँ। मुझे उम्मीद है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा। यह टकराव सीटों के बंटवारे, खासकर महुआ विधानसभा क्षेत्र को लेकर, पर मतभेद से उपजा है।

पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को सरकार का दिवाली तोहफा

अलग–अलग मदों की सहायता राशि दोगुनी की गई

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केंद्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से लागू की जाने वाली योजनाओं के तहत पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए वित्तीय सहायता में 100 फीसदी वृद्धि करने को मंजूरी दी है। इस फैसले के बाद आश्रितों को शिक्षा, विवाह और निर्धनता अनुदान के अंतर्गत मिलने वाली वित्तीय सहायता राशि दोगुनी हो गई है। संशोधित दरें आगामी एक नवम्बर से लागू होंगी।

निर्धनता अनुदान : बुधवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ये योजनाएं पूर्व सैनिक कल्याण विभाग द्वारा केन्द्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से लागू की जाती हैं। वित्तीय सहायता में की गई प्रमुख बढ़ोतरी इस के तहत निर्धनता अनुदान की राशि 4,000 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 8,000 रुपए प्रति माह प्रति लाभार्थी कर दिया गया है। यह सहायता 65 वर्ष से अधिक आयु वाले उन पूर्व सैनिकों के आश्रितों और विधवाओं को आजीवन दी जाएगी, जिनकी कोई नियमित आय नहीं है और जो गैर–पेंशनभोगी हैं।

शिक्षा अनुदान : शिक्षा अनुदान की श्रेणी में दो आश्रित बच्चों (कक्षा 1 से स्नातक तक) या दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम कर रही विधवाओं के लिए शिक्षा अनुदान एक हजार रुपये से बढ़ाकर दो हजार रुपये प्रति व्यक्ति प्रति माह कर दिया गया है।विस्तृत समाचार के लिए हमारी सेवाएं लें।

विवाह अनुदान : सरकार की ओर से विवाह अनुदान में भी बढ़ोतरी की गई है। इसे 50,000 रुपए से बढ़कर 1,00,000 रुपए प्रति लाभार्थी कर दिया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह अनुदान अधिकतम दो पुत्रियों के विवाह अथवा विधवा पुनर्विवाह के लिए लागू होगा, बशर्ते विवाह इस आदेश के जारी होने के बाद संपन्न हुआ हो।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय संस्कृत भाषा की सेवा का उत्कृष्ट स्थान

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस कार्यक्रम आज दिनांक 15–10–2025 को परिसर के सभागार में परिसर के समस्त सदस्यों, भारतीय ज्ञान परम्परा कार्यशाला में भाग लेने आये हुए सम्पूर्ण भारत वर्ष के मूर्धन्य विद्वान एवं शोध छात्र–छात्राओं सहित परिसर के अन्य छात्र–छात्राओं की उपस्थिति में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की

विकास यात्रा का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की विकास यात्रा में सम्मिलित समस्त विद्वतजनों का स्मरण करते हुए सभी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को संस्कृत भाषा की सेवा करने का एक उत्कृष्ट केन्द्र बताते हुए उन्होंने विश्वविद्यालय के उद्देश्यों को पूर्ण करने के लिए किये गये प्रयासों से परिचित कराया । उन्होंने समस्त उपस्थित जनों को संस्कृत की सेवा करने की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर परिसर के उपनिदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे, प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय "मणि", प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" (धर्मशास्त्र विभागाध्यक्ष), प्रो. मनोज कुमार मिश्र (विभागाध्यक्ष वेद विज्ञान), प्रो. अपराजिता मिश्र (विभागाध्यक्षा पाण्डुलिपि एवं हस्तलेख विभाग), डॉ. सुरेश पाण्डेय सह आचार्य, डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी सहायकाचार्य, राजेशकान्त तिवारी, अश्विनी लंके, डॉ. विपिन द्विवेदी, अंकित मिश्र, संजय कुमार मिश्र अनुभाग अधिकारी समेत समस्त परिसरीय सदस्य उपस्थित रहे।

बिशप जानसन की पूर्व प्रिंसिपल के खिलाफ धोखाधड़ी और करोड़ों के गबन का मुकदमा दर्ज, देवर भी नामजद

प्रयागराज। करोड़ों रुपये के गबन और धोखाधड़ी के मामले में बिशप जॉनसन स्कूल एंड कॉलेज की पूर्व प्रधानाचार्या के खिलाफ कर्नलगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। यह केस अदालत के आदेश पर दर्ज किया गया है। इसमें उनके देवर को भी गबन और धोखाधड़ी के मामले में नामजद किया गया है। यूपीपीएससी की आरओ–एआरओ पेपर लीक मामले में

पारुल जेल भी जा चुकी हैं। उन्हें एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के आरओ–एआरओ पेपर लीक मामले में जेल जा चुकीं बिशप जॉनसन गर्ल्स स्कूल एंड कॉलेज की पूर्व प्रधानाचार्या पारुल सोलोमन पर करोड़ों रुपये के गबन का आरोप लगा है। इस मामले में कर्नलगंज थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने कार्रवाई की है। थाना कर्नलगंज में पारुल सोलोमन और उनके देवर एलेक्जेंडर मसीह के खिलाफ भी धोखाधड़ी, कूटरचना और गबन की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पारुल का नाम इससे पहले भी सुर्खियों में रह चुका है। वर्ष 2024 में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की आरओ–एआरओ परीक्षा पेपर लीक प्रकरण में उनकी भूमिका सामने आई थी। आरोप है कि जांच में पता चला था कि उनकी मिलीभगत से ही बिशप जॉनसन गर्ल्स स्कूल परीक्षा केंद्र से पेपर लीक हुआ था। इस मामले में एसटीएफ ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा था। अब एक बार फिर वे करोड़ों के घोटाले में फंस गई हैं।

पटल बदला तो भड़का करोड़पति बाबू, अफसर पर लगाए गंभीर आरोप, सांसद ने की विजिलेंस जांच की सिफारिश

प्रयागराज। शासन के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए शिक्षा निदेशालय और परिषद में वर्षों से जमे बाबुओं का दबदबा इस कदर है कि अफसर भी उनके आगे बेबस नजर आ रहे हैं।

शासन के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए शिक्षा निदेशालय और परिषद में वर्षों से जमे बाबुओं का दबदबा इस कदर है कि अफसर भी उनके आगे बेबस नजर आ रहे हैं। हाल ही में एक अफसर ने कड़ा रुख अपनाते हुए एक बाबू का पटल परिवर्तन किया तो बाबू ने अफसर पर ही गंभीर आरोप लगा दिए। मामला इतना तूल पकड़ गया कि अब मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर विजिलेंस जांच तक की सिफारिशें हो रही हैं।

शासन का स्पष्ट निर्देश है कि समूह ग के कर्मचारियों का हर तीन साल में पटल परिवर्तन किया जाना चाहिए लेकिन बेसिक और माध्यमिक शिक्षा निदेशालय व परिषद में कई बाबू पिछले 15 से 20 वर्षों से एक ही पटल पर जमे हुए हैं। करीब 350 बाबुओं में से 30 ऐसे हैं जो करोड़ों की संपत्ति के मालिक बन गए हैं। बताया जा रहा है कि हर फाइल पर इनका रेट तय है। अफसर भी इनके आगे या तो खामोश हैं या इनके संरक्षक हैं।

यह मामला सांसद प्रवीण पटेल ने मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचा दिया है। हाईकोर्ट के अधिवक्ता प्रियांशु सिंह ने अधिकारियों को पत्र लिखकर कलीम खां की विजिलेंस जांच की मांग की है। उप शिक्षा निदेशक डॉ. ब्रजेश मिश्र ने अपने आदेश में लिखा है कि कलीम खां द्वारा मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। उनके खिलाफ कई मकान, प्लॉट और गाड़ियों की खरीद के भी आरोप पुष्टि के साथ सामने आए हैं। इसके आधार पर उन्हें अनुभाग–3 से हटाया गया है। मोहम्मद कलीम खां शिक्षा निदेशालय में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। हाल ही में जब उप शिक्षा निदेशक डॉ. ब्रजेश मिश्र ने उन्हें अनुभाग–3 से कार्यमुक्त किया तो कलीम खां भड़क गए और अफसर पर ही आरोप लगा दिए। सांसद प्रवीण पटेल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कलीम खां पर बेनामी संपत्ति, लाखों की वसूली और निदेशक का संरक्षण मिलने के आरोप लगाए हैं। पत्र के अनुसार कलीम खां ने जौनपुर के एक स्कूल के मामले में लाखों की वसूली की। शिकायत को गंभीर मानते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय से प्रकरण प्रमुख सचिव माध्यमिक शिक्षा को भेजा गया है। कलीम खां ने भी अफसर पर हमला बोला और लिखा कि उप निदेशक ने मेरे खिलाफ खुद ही शिकायत बनवाई और मुझे हटाने की साजिश रची।

हाईकोर्ट ने अपनाया सख्त रुख... फर्रुखाबाद की एसपी को वकील की रिहाई तक अदालत में बिठाया

प्रयागराज। हाईकोर्ट ने फर्रुखाबाद की पुलिस अधीक्षक (एसपी) आरती सिंह की कार्यप्रणाली को न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने वाला बताया। एसपी से नाराज जस्टिस जेजे मुनीर व जस्टिस संजीव कुमार की खंडपीठ ने उन्हें कोर्ट हिरासत में लेने का आदेश दिया। आगे पढ़ें क्या है पूरा मामला...

बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता को धमकाने और वकील को गिरफ्तार कराने के आरोप में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए फर्रुखाबाद की पुलिस अधीक्षक (एसपी) आरती सिंह को अदालत में तब तक बिठाए रखा, जब तक कि वकील रिहा नहीं हो गए। मामले की सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आने पर एसपी से नाराज जस्टिस जेजे मुनीर व जस्टिस संजीव कुमार की खंडपीठ ने उन्हें कोर्ट हिरासत में लेने का आदेश दिया। पीठ की टिप्पणी मौखिक थी। इस पर महाधिवक्ता ने मोहलत मांग ली।

यूपी सरकार ने हाईकोर्ट से पक्ष रखने का आग्रह किया, जिस पर मंगलवार दोपहर करीब 3रू45 बजे कोर्ट में सुनवाई हुई। बाद में, कोर्ट ने सिंह को बुधवार तक व्यक्तिगत हलफनामा दायर करने का समय दिया एवं सिंह और उनकी पूरी टीम को व्यक्तिगत रूप से सुनवाई में मौजूद रहने का आदेश दिया। खंडपीठ ने यह आदेश फर्रुखाबाद निवासी प्रीति यादव की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर दिया।

याचिका में प्रीति यादव ने आरोप लगाया कि आठ सितंबर की रात नौ बजे थाना प्रभारी अनुराग मिश्रा, सीओ समेत चार–पांच पुलिसकर्मी उनके घर में घुस आए और दो सदस्यों को हिरासत में ले लिया। दोनों को करीब एक सप्ताह तक हिरासत में रखा। इस दौरान याची से लिखित बयान लिया गया कि वह पुलिस के खिलाफ किसी तरह की शिकायत नहीं करेगी। यादव से बाद में यह भी लिखवाया कि उन्होंने कोई याचिका दाखिल नहीं की है। सुनवाई के दौरान पुलिस की ओर से प्रीति का यह लिखित बयान पेश किया गया, तो कोर्ट ने इसे गंभीरता से लेते हुए 14 अक्तूबर को अफसरों के हलफनामे के साथ ही याची प्रीति यादव को तलब किया।

कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई के दौरान एसपी सहित अन्य पुलिसकर्मी हाजिर हुए। इस दौरान प्रीति भी हाजिर हुईं और उन्होंने बयान दर्ज कराया। प्रीति से कोर्ट ने पूछा, क्या उन्होंने याचिका दायर की है, तो उन्होंने हां में उत्तर दिया। यह पूछे जाने पर कि याचिका वापस लेने के लिए क्यों कहा, उन्होंने बताया कि पुलिस वाले पति को पकड़ ले गए थे।

एसपी की कार्यप्रणाली न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली

हाईकोर्ट ने एसपी की कार्यप्रणाली को न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने वाला बताया। हालांकि, एसपी आरती की मौजूदगी में राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता ने बुधवार को दोपहर 12 बजे सुनवाई की प्रार्थना की, ताकि सिंह हलफनामा दायर कर सकें। सुनवाई के लिए कोर्ट ने बुधवार की तिथि तय कर दी।

डीजीपी को भी रोका था

हाईकोर्ट 15 सितंबर, 2021 को तत्कालीन डीजीपी मुकुल गोयल को भी जवाब दाखिल होने तक एक दिन प्रयागराज में रोक चुका है। मैनपुरी पुलिस पर कार्रवाई न करने पर तत्कालीन कार्यकारी चीफ जस्टिस एमएन भंडारी और जस्टिस एके ओझा की खंडपीठ ने यह आदेश दिया था।

वकील के घर तोड़फोड़ भी की गई

हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अमरेंद्र नाथ सिंह ने बताया, पुलिस को आशंका थी कि फर्रुखाबाद के वकील अवधेश मिश्र ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल कराई है। इससे नाराज पुलिस कर्मियों ने 11 अक्तूबर को अधिवक्ता के घर पर धावा बोल दिया और तोड़फोड़ की। इस संबंध में कोर्ट में अर्जी पेश की गई। इससे नाराज पुलिस ने अवधेश मिश्र को मंगलवार को सुनवाई के बाद कोर्ट के बाहर से गैरकानूनी तरीके से हिरासत में ले लिया।

सुनवाई के बाद हाईकोर्ट को बताया गया कि एसपी के आदेश पर अदालत के बाहर से अधिवक्ता अवधेश मिश्र व उनके बेटे कृष्णा मिश्र को पुलिस ने हिरासत में ले लिया और उन्हें फर्रुखाबाद ले जा रही है। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताई और 3रू45 बजे एसपी आरती सिंह एवं उनकी टीम को तलब किया। उनके पेश होने पर कोर्ट ने फटकार लगाते हुए स्पष्टीकरण मांगा।

कार्निवाल का चौथा दिन संगीत, नृत्य और कला से चकाचौंध

प्रयागराज। दीप पर्व से पहले सिविल लाइंस में मंगलवार को अमर उजाला शुभ–लाभ कार्निवाल का चौथा दिन रंगारंग प्रस्तुतियों से चकाचौंध रहा। गीत–संगीत, नृत्य और कला के विविध रंगों से मंच जगमगा उठा।

दीप पर्व से पहले सिविल लाइंस में मंगलवार को अमर उजाला शुभ–लाभ कार्निवाल का चौथा दिन रंगारंग प्रस्तुतियों से चकाचौंध रहा। गीत–संगीत, नृत्य और कला के विविध रंगों से मंच जगमगा उठा। बच्चों ने झूलों का आनंद लिया तो महिलाओं ने मुफ्त में मेहंदी लगवाई। लोगों ने घोड़े के साथ ऊंट की भी सवारी की। बग्घी पर बैठकर घूमने वालों के ठाठ निराले रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। उन्होंने अमर उजाला परिवार को बधाई देते हुए कहा कि यह आयोजन प्रयागराज के बच्चों और युवाओं को प्रतिभा दिखाने का अद्भुत मंच दे रहा है। इस तरह के कार्यक्रम न केवल मनोरंजन का साधन हैं बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा भी भरते हैं। उन्होंने प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत कर नई ऊंचाइयों को छूने का आशीर्वाद भी दिया।

कार्निवाल की औपचारिक शुरुआत दिव्य प्रताप की ओम देवा देवा नमः की शानदार प्रस्तुति से हुई। इसके बाद आशीष बनर्जी ने तेरा रामजी करेंगे बेड़ा पार गीत से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। अनुष्का ने ये मेरा दिल प्यार का दीवाना

गाकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। एनआर डांस ग्रुप के कलाकारों ने नेहा शर्मा के निर्देशन में एकदंताय वक्रतुंडाय और मेरे ढोलना जैसे गीतों पर जबरदस्त नृत्य किया। इसपर बच्चों से लेकर बड़े तक तालियां बजाने को मजबूर हो गए।

छोटे कलाकारों में रेयांश केसरवानी ने गायत्री मंत्र सुनाकर सबका दिल जीत लिया। कार्तिक ने शिव तांडव स्तोत्रम पर दमदार नृत्य कर वाहवाही लूटी। आशी वर्मा और आर्या ने शेकी–शेकी पर प्यारा सा नृत्य किया। शारदा ने तुम आए तो आया मुझे याद गाकर सभी को आनंदित कर दिया। लवी मनचंदा और शनाया ने आमी जे तोमार पर अपनी प्रस्तुति से लोगों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में व्यंजना आर्ट एंड कल्चर संस्था की मधु शुक्ला के साथ शांभवी की गरिमामयी उपस्थिति रही। संस्था के छह बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से खूब तालियां बटोरीं।

बम–बम भोले... गीत पर 20 से अधिक बच्चों ने मंच पर नृत्य कर खूब रंग जमाया। अभिभावक उनका वीडियो बनाते रहे। सभी बच्चों को राणा ज्वेलर्स के पंकज सिंह ने पुरस्कृत किया। सुर साधना अकादमी की कीर्ति चौधरी ने कहे तोसे सजना ये तोहरी सजनिया... गीत पर मन को छू लेने वाली प्रस्तुति दी। इसी ग्रुप की प्रिया एंड पार्टी ने जहबु सावन में कजरिया पर भावपूर्ण नृत्य किया। इन प्रतिभागियों को प्रखर श्रीवास्तव ने पुरस्कृत किया। सौरभ के हिपहॉप डांस ने आधुनिक दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं आर्यवीर गुप्ता ने मेरे घर राम आए हैं गीत गाकर और गिटार बजाकर माहौल को भक्तिमय बना दिया।

पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी ने कहा कि जब अमर उजाला का कार्निवाल शुरू होता है तो पूरे प्रयागराज में दीपावली जैसा माहौल बन जाता है। उन्होंने अमर उजाला की सामाजिक सरोकार वाली पत्रकारिता और नई प्रतिभाओं को मंच देने की परंपरा को सराहा। कहा कि रचनात्मक गतिविधियों में भी अमर उजाला बेजोड़ है। इस मौके पर प्रयाग व्यापार मंडल के राणा चावला, निखिल मलंग, योगेश गोयल आदि मौजूद रहे।

इच्छुक कलाकार, नृत्य–संगीत समूह और संस्थाएं कार्निवाल में प्रस्तुति देने के लिए मुफ्त में पंजीकरण करा सकती हैं।

अधीनस्थ जजों के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी से बचें, निजी आलोचना वाले शब्द हटाने का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जज भी हाड़मांस से बने नश्वर प्राणी हैं। उसमें भी मानवीय गुण विद्यमान रहते हैं। वे कानून के अनुसार न्याय करते हैं। जजों को बिना पक्ष रखने का अवसर दिए अधीनस्थ जज के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी करने से बचना चाहिए। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जज भी हाड़मांस से बने नश्वर प्राणी हैं। उसमें भी मानवीय गुण विद्यमान रहते हैं। वे कानून के अनुसार न्याय करते हैं। जजों को बिना पक्ष रखने का अवसर दिए अधीनस्थ जज के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी करने से बचना चाहिए। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने शामली उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष याची की कार्यप्रणाली को लेकर राज्य उपभोक्ता आयोग की अपमानजनक टिप्पणी को हटा दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने शामली उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष रहे हेमंत कुमार गुप्ता की राज्य उपभोक्ता आयोग की प्रतिकूल टिप्पणी को हटाने की मांग में दाखिल याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है।

याची ने डीलर रिलायंस रिटेल लिमिटेड व भारतीय जीवन बीमा निगम के केस में उसके खिलाफ राज्य उपभोक्ता आयोग की अनुचित टिप्पणी को चुनौती दी थी। याची ने शामली में रहने के दौरान 600 शिकायतें सुनीं। दो मामलों में अपील की सुनवाई करते हुए राज्य उपभोक्ता आयोग ने याची की कार्यप्रणाली को लेकर व्यक्तिगत टिप्पणी की। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला दिया और कहा कि जजों को अधीनस्थ के खिलाफ निजी टिप्पणी करने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यायहित व निष्पक्ष कार्यवाही के लिए की गई टिप्पणी आदेश से हटाई जाए।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मऊ जिले के तहसीलदार घोसी धर्मेंद्र कुमार पांडेय के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। साथ ही सीजेएम मऊ को अगली तिथि पर विपक्षी की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने सत्यव्रत राय शास्त्री की अवमानना याचिका पर दिया है। मऊ के तहसील घोसी के ग्राम बड़ागांव में गाटा संख्या 987 क्षेत्रफल 0.044 हेक्टेयर जो राजस्व अभिलेख में पोखरी के रूप में दर्ज है। इस पर एक व्यक्ति ने अतिक्रमण कर लिया है। तहसीलदार घोसी ने अपने आदेश 31 अक्तूबर 2023 को बेदखली आदेश पारित किया था।

आदेश का अनुपालन न होने पर अमिला निवासी सत्य व्रत राय शास्त्री ने याचिका दाखिल की, जिसे निस्तारित करते हुए उच्च न्यायालय ने पोखरी पर हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए तहसीलदार घोसी को आदेश दिया था। इसका पालन न होने पर अवमानना याचिका दायर की गई है। याची की अवमानना अर्जी पर कोर्ट ने नोटिस जारी किया था। इसके बावजूद तहसीलदार हाजिर नहीं हुए। इस पर कोर्ट ने जमानती वारंट जारी किया है। अगली सुनवाई तीन दिसंबर को होगी।

वरिष्ठ छायाकार स्व. नीरज त्यागी की माताजी सालंतरी देवी का निधन

गांव गादला में हुआ अंतिम संस्कार, समाजसेवी मनीष चौधरी ने परिवार को दी सांत्वना

मुजफ्फरनगर। मीडिया जगत के वरिष्ठ छायाकार रहे स्व. नीरज त्यागी की माताजी सालंतरी देवी का बुधवार देर रात्रि निधन हो गया। वे पिछले काफी समय से कुल्हे की चोट के कारण अस्वस्थ थीं। उनके आकस्मिक निधन से पूरे परिवार सहित गांव गादला में शोक की लहर दौड़ गई है। मीडिया जगत में भी दुख का माहौल बना रहा।

परिजनों के अनुसार, श्रीमती सालंतरी देवी एक मृदुभाषी, स्पष्टवादी और संघर्षशील महिला थीं। उन्होंने जीवन के हर कठिन मोड़ पर पूरे परिवार को मजबूती से संभाला और हर संकट का साहसपूर्वक सामना किया। चार महीने पूर्व ही उनके बेटे और मीडिया जगत के वरिष्ठ छायाकार नीरज त्यागी का भी बीमारी के चलते आकस्मिक निधन हुआ था। ऐसे में परिवार अभी उस आघात से उबर भी नहीं पाया था कि अब उनकी माताजी के निधन से एक और बड़ा दुःख परिवार पर टूट पड़ा है।

इस दुःखद घटना की सूचना मिलते ही राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी मनीष चौधरी ने गांव गादला पहुंचकर परिजनों को ढाढ़स बंधाया। उन्होंने कहा कि नीरज त्यागी न केवल एक कुशल छायाकार थे, बल्कि एक संवेदनशील और मिलनसार व्यक्ति भी थे। अब उनकी माताजी का निधन एक और अपूरणीय क्षति है। उन्होंने गांव में पहुंचकर अंतिम संस्कार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और परिवार को सांत्वना देते हुए ढांढस बंधाया, परिवार को हर संभव सहायता दी जाएगी।

समाजसेवी मनीष चौधरी ने बताया कि दिवंगत सालंतरी देवी का अंतिम संस्कार गांव गादला स्थित श्मशान घाट पर पूरे विधि–विधान के साथ किया गया। इस दौरान क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, पत्रकार, समाजसेवी और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मुखाग्नि उनके बड़े बेटे विपिन त्यागी ने दी। इस दुखद घटना से पूरे क्षेत्र और मीडिया बिरादरी में गहरा शोक व्याप्त है। लोगों ने परिजनों से मिलकर सांत्वना व्यक्त की और श्रद्धांजलि अर्पित की।

आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने किया अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में आरेडिका के स्टाल का उद्घाटन

रायबरेली। दिल्ली के प्रगति मैदान में 15.10.2025 से 17.10.2025 तक चल रहे अंतरराष्ट्रीय रेलवे उपकरण प्रदर्शनी के पहले दिन महाप्रबंधक श्री प्रशांत कुमार मिश्रा ने प्रदर्शनी का दौरा किया। इसमें विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग कर अपने–अपने देश की तकनीकी एवं क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शनी में आरेडिका भी भारतीय रेलवे की उत्पादन इकाई के रूप में रेलवे के उपकरणों एवं तकनीकी क्षमताओं का प्रदर्शन कर रही है। वर्ष 1990 में शुरू की गई, अंतर्राष्ट्रीय रेलवे उपकरण प्रदर्शनी (आईआरईई) सीआईआई की प्रमुख प्रदर्शनी है जिसका आयोजन रेल मंत्रालय के साथ साझेदारी में किया जा रहा है। इस वर्ष का आयोजन में 15 से अधिक देशों के 450 से अधिक प्रदर्शक रेल

और मेट्रो क्षेत्र के लिए अत्याधुनिक तकनीकों, समाधानों और सेवाओं का प्रदर्शन करेंगे। आईआरईई एक ऐतिहासिक आयोजन के रूप में विकसित हुआ है जो सीआईआई और रेल मंत्रालय के बीच निरंतर सहयोग को बताता है। दशकों से, इसने भारत की इंजीनियरिंग क्षमता और रेल प्रौद्योगिकी में वैश्विक अग्रणी बनने की उसकी महत्वाकांक्षाओं को निरंतर प्रदर्शित किया है। यहां आने वाले देशी–विदेशी सभी आगन्तुको को रेलवे के उपकरणों एवं उनके कार्य के बारे में रूबरू कराया जा रहा है। महाप्रबंधक श्री मिश्रा रेलवे के साथ साथ सहयोगी कंपनियों के स्टॉल का दौरा कर उनके प्रोडक्ट्स के बारे में जानकारी प्राप्त की एवं उन्हे अपने कोच उत्पादन में लगने वाले उपकरणों बारे में जानकारी साझा की। कोचों में यात्रियों की सुविधा बेहतर एवं आरामदायक बनाने के साथ ही क्या क्या नए काम कोचों में किया जाए इसके प्रति श्री मिश्रा ने ज्यादा उत्सुकता दिखाई। उन्होंने कहा कि आरेडिका इस प्रकार के प्रदर्शनों में अपनी बढ़–चढ़कर भूमिका निभाता रहेगा। इस अवसर आरेडिका की ओर से विजय कुमार चीफ इलेक्ट्रिकल डिजाइन इंजीनियर, आर. एन. तिवारी सचिव महाप्रबंधक एवं मुख्य जन संपर्क अधिकारी, सी एस श्याम डिप्टी चीफ इलेक्ट्रिकल डिजाइन इंजीनियर डिप्टी सीएमएम संजय निगम, डिजाइन से एसएमई ए. के. अग्निहोत्री, जन संपर्क अधिकारी अनिल श्रीवास्तव एवं डिजाइन विभाग से सीनियर सेक्शन इंजीनियर के के श्रीवास्तव, आलोक कुमार, अंगद सिंह कुशवाहा, श्रीराम सिंह, प्रोटोकॉल निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

एमपीआईसी बामपुर के छात्रों ने जीती ओवरआल चैंपियनशिप

प्रयागराज। मंगला प्रसाद इंटर कॉलेज बामपुर के मैदान में आयोजित दो दिवसीय तहसील स्तरीय खेल प्रतियोगिता का मंगलवार को भव्य समापन हुआ।दो दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के जोश, संघर्ष और खेल भावना ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। प्रतियोगिता में तहसील क्षेत्र के 13 इंटर कॉलेज के छात्र और शिक्षक शामिल रहे।प्रतियोगिता में सीनियर और जूनियर वर्ग में एमपीआई कॉलेज बामपुर के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन कर पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि श्रीराम प्रताप इंटर कॉलेज सिरसा के छात्रों को उपविजेता घोषित किया गया। सब–जूनियर वर्ग में सिरसा के खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं लक्ष्मीनारायण इंटर कॉलेज मेजा के खिलाड़ियों ने दूसरा स्थान हासिल किया। ओवरऑल चौंपियनशिप का खिताब एमपीआईसी बामपुर के छात्रों के नाम रहा, जिसने कुल 153 अंक अर्जित किए। श्रीराम प्रताप इंटर कॉलेज सिरसा ने 89 अंक के साथ उपविजेता का स्थान पाया। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में अंजली तिवारी और सुभाष सोनकर (एमपीआईसी बामपुर) सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित हुए, जबकि पिंकी यादव (सिरसा) ने बालिका वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के संयोजक प्रधानाचार्य संतोष कुमार सिंह ने प्रतियोगिता की सफलता पर सभी खिलाड़ियों, शिक्षकों और निर्णायकों का आभार जताया।

अद्‌भुत थीं भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाएं

नैनी, प्रयागराज। भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाएं बहुत ही अद्‌भुत थीं। अपनी बाल लीलाओं द्वारा उन्होंने जहां लोगों के मन को आह्लादित किया तो वहीं बकासुर, अघासुर जैसे असुरों का संहार कर उनका कल्याण किया। ये उद्‌गार कथावाचक डॉ स्वामी चंद्रदेव जी महराज ने नैनी में आयोजित भागवत कथा में व्यासपीठ से व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि बालपन में कृष्ण जी

ने मिट्टी खा लिया जिसकी शिकायत बलराम सहित ग्वाल साथियों ने मां यशोदा जी से किया। जब मां ने सबके समक्ष कृष्ण का मुंह खुलवाया तो वे स्वयं दंग रह गईं। भगवान कृष्ण के मुख में उन्हें तीनों लोक के दर्शन हो रहे थे। कुछ समय बाद जब कृष्ण ने मां के सामने दुबारा मुंह खोला तो मुंह के किसी कोने में मिट्टी नहीं दिखाई दी। कथावाचक ने अपनी कथा में मनसूखा की रुमाल से बनाई गई गेंद, उसका यमुना में फेंकना तथा गेंद लेने के बहाने यमुना में प्रवेश कर कालीनाग का उद्धार किया। भागवत कथा में मुख्य यजमान मिथिलेश्वर प्रसाद मिश्र, नीलेश्वर प्रसाद मिश्र, कुलगुरु रमेश ओझा, कमलेश दुबे, श्रीप्रकाश शुक्ला, दीपक मिश्रा, राधेश्याम शुक्ल सहित क्षेत्र के श्रोतागण मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर संस्कृत विद्यालय अरैल के विद्यार्थियों द्वारा धार्मिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

कानपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

कानपुर। शहर समता विचार मंच कानपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी श्रद्धा श्रीवास्तव के संयोजन एवं अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि सीमा वर्णिका एवं विशिष्ट अतिथि डॉ व हेमा पांडे रही। यह काव्य गोष्ठी सांय 5रू00बजे

से 6.30बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही श्रद्धा श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया।

सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति शिप्रा ज्ञानेंद्र सिंह एवं सुषमा सिंह उर्मि द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन पुष्पा सिंह ने किया। इस काव्य गोष्ठी में योगिता सिंह हंसा, शिप्रा ज्ञानेंद्र सिंह , सुनीता गुप्ता, सुषमा सिंह उर्मि, डॉ व सुषमा त्रिपाठी,हरप्रीत कौर, डॉ व हेमा पांडे, पुष्पा सिंह,सीमा वर्णिका एवम् श्रद्धा श्रीवास्तव ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये।

धन्यवाद ज्ञापन जिलाध्यक्ष श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया।

जाम मुक्त मुजफ्फरनगर की ओर एक कदम ई-रिक्शा रूट निर्धारण से ट्रैफिक व्यवस्था को मिलेगी नई दिशा

जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर द्वारा ई-रिक्शाओं को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

मुजफ्फरनगर। जनपद में बेहतर ट्रैफिक व्यवस्था सुनिश्चित करने, आमजन को जाम की समस्या से राहत दिलाने तथा सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिलाधिकारी श्री उमेश मिश्रा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री संजय कुमार वर्मा द्वारा आज ई–रिक्शाओं के निर्धारित रूट व्यवस्था का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर ई–रिक्शाओं को रवाना किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक व पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल कुमार चौबे द्वारा गत तीन माह के सतत अध्ययन, सर्वेक्षण एवं योजना निर्माण के पश्चात रूट निर्धारण किया गया, जिसमें शहर के मुख्य मार्गों, बाजार क्षेत्रों एवं आवासीय इलाकों में ई–रिक्शाओं के लिए निर्धारित रूट चिन्हित किए गए हैं। इस अभियान में जिलाधिकारी व एआरटीओ मुजफ्फरनगर का भी पूर्ण सहयोग रहा। आगामी दिनों में प्रत्येक

रूट के अनुसार कलर कोडेड (रंग अनुसार) ई–रिक्शा व्यवस्था भी प्रारंभ की जाएगी, जिससे यात्रियों को सही रूट की पहचान में आसानी होगी और यातायात और अधिक सुव्यवस्थित होगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने बताया कि "इस व्यवस्था से न केवल जाम की समस्या में कमी आएगी, बल्कि लोगों को सुरक्षित व समयबद्ध यात्रा का अनुभव भी मिलेगा। हमारा लक्ष्य है कि मुजफ्फरनगर को ट्रैफिक व्यवस्था के क्षेत्र में एक आदर्श मॉडल शहर बनाया जाए।" इसके साथ ही आमजन से अपील की गयी कि रूट के अनुसार ही ई–रिक्शा का प्रयोग करें।

यह पहल जनपद में यातायात व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे आम नागरिकों को सुचारु व जाम–मुक्त परिवहन व्यवस्था का लाभ मिलेगा।

राम शाला कुटी के प्रबन्धन हेतु बिहार ब्लाक के चकवड में ग्राम समाज की बैठक संपन्न

श्री राम शाला कुटी ट्रस्ट का होगा गठन, 23 अक्टूबर को होगी अगली बैठक/पांच सदस्यीय समिति को बैठक में जन भागीदारी की दी गई जिम्मेदारी

प्रतापगढ़। बिहार ब्लाक के चकवड ग्राम पंचायत स्थित अति प्राचीन श्री राम शाला कुटी के सुव्यवस्था व प्रबन्धन हेतु ग्राम समाज की सामूहिक बैठक जनपद के लोकपाल मनरेगा प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर की अध्यक्षता में हुई। सामाजिक नेता नरेंद्र रंजन सिंह के संयोजन में आयोजित बैठक में तय हुआ की धाम में जन सहयोग तथा लोक भागीदारी से श्री राम शाला विकास ट्रस्ट की स्थापना होगी। जिसके जिम्मेदार पदाधिकारियों का सर्व सम्मति से चयन आगामी 23 अक्टूबर को दोपहर १२ बजे आयोजित बैठक में होगा।

ज्ञातव्य हो की कुंडा तहसील के राजस्व ग्राम चकवड का एतिहासिक संदर्भ रामायण व महाभारत से प्राचीन काल से जुड़ा है। मान्यता है की प्रभु श्री राम जी बनवास के दौरान इस स्थान पर रुके थे। वहीं महाभारत का संदर्भ की यह एक चक्र नगरी है जहाँ अज्ञात वास के दौरान पांडव रुके थे। बैठक में तय हुआ की यह प्राचीन राम शाला कुटी जन आस्था का केंद्र है जिसमे सभी के विचारों व भावों का स्वागत है। इस अवसर पर लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने सभी का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कुटी स्थित प्राचीन मंदिरों का दर्शन पूजन किया। आगामी 23 अक्टूबर की बैठक हेतु पांच सदस्यीय समिति आशुतोष त्रिपाठी के संयोजन में गठन कर ट्रस्ट गठन में जन भागीदारी की जिम्मेदारी दी गई। अन्य सदस्यों में धीरज चंद्र त्रिपाठी, फूल चंद्र चौरसिया, विपिन चंद्र मौर्य व अविकेश प्रताप सिंह को शामिल किया गया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ पत्रकार अजय पांडेय, सुशील सिंह, राकेश मिश्र, पवन तिवारी, संजय प्रताप सिंह, अभय प्रताप सिंह आदि प्रमुख नागरिक गण शामिल रहे।

गुलदाउदी फूल

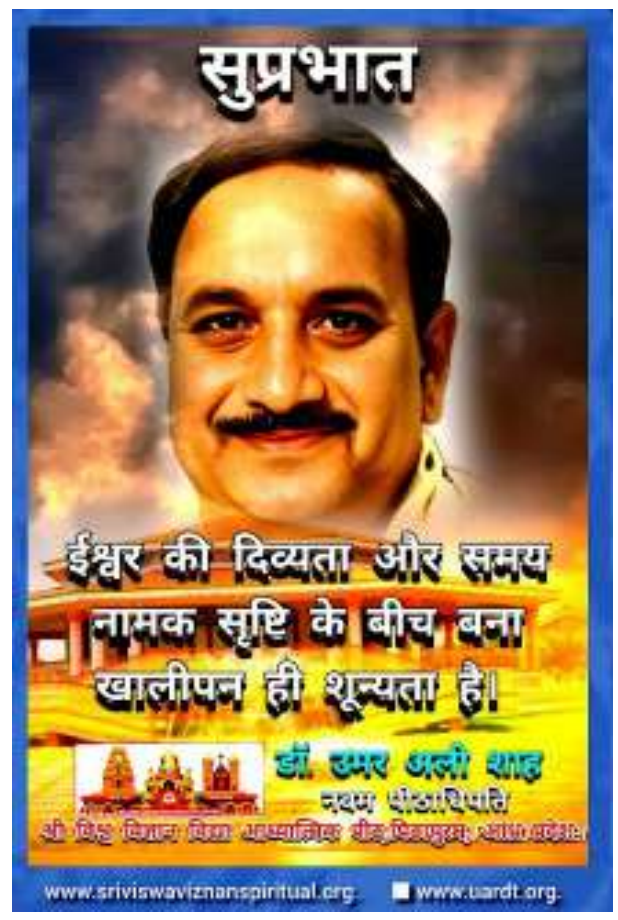

(कुण्डलिया)

जापानी कहते किकू,चीनी जहुआ फूल।
भारत में गुलदाउदी, खिलती ऋतु अनुकूल।
खिलती ऋतु अनुरूप, बनी जब एक गुलिस्ताँ।
नाना रंग समेट, बाँटती हैं तब खुशियाँ।
सुन लो कहें प्रदीप, लोक की कई कहानी।
अंकित जिसके नाम, सुनाते हैं जापानी।।

कहते चीनी दार्शनिक,मोहक मधुर प्रसंग।
पतझर में गुलदाउदी, भरती सुन्दर रंग।
भरती सुन्दर रंग, बताती सर्दी आयी।
नभ की मधुर तुषार, दुपहरी है अति भायी।
सुन लो कहें प्रदीप,चमन में खुशियाँ भरके।
रहना हरदम साथसभी से हँसकर कहते।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सपा ने हर्षोल्लास से मनाई पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती

मुजफ्फरनगर। देश के महान वैज्ञानिक व पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल की जयंती समाजवादी पार्टी ने सपा कार्यालय पर हर्षोल्लास से मनाते हुई उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। समाजवादी पार्टी पदाधिकारियों ने इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी में देश के महान वैज्ञानिक डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को देश की आधुनिक सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक हथियार व महत्वपूर्ण प्रयोग से देश का मान बढ़ाने वाली महान शख्सियत बताते हुए उनके राष्ट्रपति रहने के दौरान उनकी सादगी व उत्कृष्ट योगदान के लिए पुष्प अर्पित करते हुए नमन किया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष ज़िया चौधरी एडवोकेट, समाजवादी पार्टी प्रदेश सचिव चौधरी इलम सिंह गुर्जर, समाजवादी पार्टी प्रदेश सचिव विनय पाल, पूर्व मंत्री महेश बंसल, समाजवादी पार्टी जिला महासचिव चौधरी विकिल गोल्डी अहलावत, सपा जिला उपाध्यक्ष सोमपाल सिंह कोरी,सपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य तहसीन मंसूरी,सपा बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी राष्ट्रीय सचिव पूजा अंबेडकर,सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव सुमित पंवार बारी, विधानसभा अध्यक्ष पुरकाजी संजीव आर्य,पूर्व जिलाध्यक्ष सपा अल्पसंख्यक सभा डॉ इसरार अल्वी, जिला सचिव पवन पाल,सपा अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ महानगर अध्यक्ष तरुण सौदे एडवोकेट,मीर हसन,फरमान चौधरी, फैसल राणा एडवोकेट, सलीम कुरैशी,सरदार [illegible] अनेक पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी संख्या 09431/09432 साबरमती-बेगूसराय अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 09431 साबरमती-बेगूसराय | गाड़ी सं. 09432 बेगूसराय-साबरमती

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	12:05	साबरमती	05:00	—
05:50	05:55	ईदगाह आगरा	10:55	11:00
06:50	07:00	टूण्डला	09:40	09:50
09:30	09:32	इटावा	06:30	06:40
12:20	12:30	गोविन्दपुरी	04:35	04:40
16:00	16:10	सूबेदारगंज	23:50	23:55
18:55	18:57	मिर्जापुर	20:50	20:52
08:00	—	बेगूसराय	—	12:00

- गाड़ी सं. 09431: साबरमती से प्रतिदिन दिनांक 14.10.2025 से 27.10.2025 तक
- गाड़ी सं. 09432: बेगूसराय से प्रतिदिन दिनांक 16.10.2025 से 29.10.2025 तक
- गाड़ी संरचना: स्लीपर श्रेणी/सामान्य श्रेणी/चेयर कार-18

गाड़ी संख्या 09429/09430 साबरमती-गोरखपुर अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 09429 साबरमती-गोरखपुर | गाड़ी सं. 09430 गोरखपुर-साबरमती

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	08:50	साबरमती	15:30	—
22:00	22:05	ईदगाह आगरा	00:40	00:45
23:30	23:35	टूण्डला	23:20	23:25
00:25	00:27	इटावा	22:25	22:27
03:00	03:10	कानपुर सेन्ट्रल	19:40	19:50
10:00	—	गोरखपुर	—	13:00

- गाड़ी सं. 09429: साबरमती से प्रत्येक बुधवार, शुक्रवार, रविवार दिनांक 16.10.2025 से 26.10.2025 तक
- गाड़ी सं. 09430: गोरखपुर से प्रत्येक शुक्रवार, शनिवार, सोमवार दिनांक 17.10.2025 से 27.10.2025 तक
- गाड़ी संरचना: स्लीपर श्रेणी/सामान्य श्रेणी/चेयर कार-18

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1908/25(D)

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

(1) गाड़ी सं. 09123/09124 प्रतापनगर-कटिहार (साप्ताहिक) अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी

09123 प्रतापनगर-कटिहार | 09124 कटिहार-प्रतापनगर

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	16:30	प्रतापनगर	02:30	--
15:00	15:02	मानिकपुर	04:00	04:02
17:00	17:35	प्रयागराज छिवकी	01:00	01:05
19:00	19:02	मिर्जापुर	23:20	23:22
07:15	--	कटिहार	--	11:15

प्रतापनगर से- गाड़ी सं. 09123, (बुधवार), दिनांक 15.10.2025 एवं 22.10.2025 तथा कटिहार से- गाड़ी सं. 09124 (शुक्रवार), दिनांक 17.10.2025 एवं 24.10.2025 संरचना: सामान्य श्रेणी-18

(2) गाड़ी सं. 09151/09152 प्रतापनगर-जयनगर (साप्ताहिक) अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी

09151 प्रतापनगर-जयनगर | 09152 जयनगर-प्रतापनगर

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	16:35	प्रतापनगर	05:30	--
15:00	15:02	मानिकपुर	08:10	08:12
17:30	17:35	प्रयागराज छिवकी	04:30	04:35
19:00	19:02	मिर्जापुर	03:00	03:02
10:00	--	जयनगर	--	14:00

प्रतापनगर से- गाड़ी सं. 09151 (रविवार), दिनांक 19.10.2025 एवं 26.10.2025 तथा जयनगर से- गाड़ी सं. 09152 (मंगलवार), दिनांक 21.10.2025 एवं 28.10.2025 संरचना: सामान्य श्रेणी-18

(3) गाड़ी सं. 09079/09080 बांद्रा (ट.)-बरौनी जं. अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी

09079 बांद्रा (ट.)-बरौनी जं. | 09080 बरौनी जं.-बांद्रा (ट.)

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	20:30	बांद्रा (ट.)	11:00	--
22:15	22:20	मानिकपुर	08:40	08:45
01:00	01:05	प्रयागराज छिवकी	04:40	04:50
12:15	--	बरौनी जं.	--	15:05

बांद्रा (ट.) से- गाड़ी सं. 09079 (प्रतिदिन), दिनांक 15.10.2025 से 27.10.2025 तथा बरौनी जं. से- गाड़ी सं. 09080 (प्रतिदिन), दिनांक 17.10.2025 से 29.10.2025 संरचना: सामान्य श्रेणी-18

ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App. या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1909/25 FA

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी संख्या: 04404/04403 शकूर बस्ती - पटना अनारक्षित त्योहार विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04404 शकूर बस्ती - पटना | गाड़ी सं. 04403 पटना - शकूर बस्ती

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
–	15:15	शकूर बस्ती	14:40	—
00:30	00:40	गोविन्दपुरी	02:05	02:15
04:05	04:10	सूबेदारगंज	23:25	23:30
05:43	05:45	मिर्जापुर	21:20	21:22
13:30	—	पटना जं.	—	16:00

शकूर बस्ती से गाड़ी सं.04404, दिनांक- 17.10.2025, 18.10.2025, 19.10.2025, 22.10.2025,23.10.2025, 24.10.2025, 25.10.2025, 26.10.2025 तक,
पटना जं. से गाड़ी सं. 04403, दिनांक- 18.10.2025, 19.10.2025, 20.10.2025, 23.10.2025, 24.10.2025, 25.10.2025, 26.10.2025, 27.10.2025 तक,
संरचना: सामान्य/स्लीपर श्रेणी: 15

गाड़ी संख्या: 04408/04407 आनन्द विहार (ट.)- पुरी अनारक्षित त्योहार विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04408 आनन्द विहार(ट.)-पुरी | गाड़ी सं.04407 पुरी-आनन्द विहार (ट.)

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
–	23:00	आनन्द विहार (ट.)	07:30	—
06:40	06:50	गोविन्दपुरी	21:35	21:45
07:50	07:52	फतेहपुर	20:18	20:20
10:20	10:25	सूबेदारगंज	17:55	18:00
12:20	12:22	मिर्जापुर	16:15	16:17
13:30	—	पुरी	—	16:30

आनन्द विहार (ट.) से: गाड़ी सं.04408, दिनांक- 18.10.2025, पुरी से गाड़ी सं. 04407, दिनांक- 20.10.2025, संरचना: सामान्य/स्लीपर श्रेणी: 15

गाड़ी संख्या: 09817/09818 सोगरिया- दानापुर साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 09817 सोगरिया- दानापुर | गाड़ी सं.09818 दानापुर - सोगरिया

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
–	23:10	सोगरिया	01:10	—
13:00	13:02	मानिकपुर जं.	11:48	11:50
15:50	15:55	प्रयागराज छिवकी	08:15	08:20
18:58	19:00	मिर्जापुर	06:28	06:30
23:45	—	दानापुर	—	01:15

सोगरिया से गाड़ी सं.09817, प्रत्येक गुरुवार, दिनांक- 16.10.2025,
दानापुर से गाड़ी सं. 09818, प्रत्येक शनिवार, दिनांक- 18.10.2025,
संरचना: सामान्य श्रेणी: 04, स्लीपर श्रेणी: 05, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी: 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी: 02, वातानुकूलित इकोनॉमिक श्रेणी: 07

नोट- ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं. 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1912/25(DG)

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:–

09081/09082 उधना जं.-भागलपुर जं.-उधना जं. अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी

09081 उधना जं. - भागलपुर जं. | 09082 भागलपुर जं. - उधना जं.

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	11:15	उधना जंक्शन	09:00	-----
05:48	05:50	मानिकपुर जंक्शन	13:50	13:52
07:35	07:40	प्रयागराज छिवकी जं.	12:00	12:05
20:00	----	भागलपुर जं.	----	22:50

• उधना जंक्शन से – गाड़ी संख्या 09081 दिनांक 14.10.2025 से 27.10.2025 (प्रतिदिन) • भागलपुर जंक्शन से – गाड़ी संख्या 09082 दिनांक 15.10.2025 से 28.10.2025 (प्रतिदिन) • गाड़ी संरचना – सामान्य श्रेणी – 18

09089/09090 वलसाड-बरौनी जंक्शन-वलसाड अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी

09089 वलसाड - बरौनी जंक्शन | 09090 बरौनी जंक्शन - वलसाड

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	12:50	वलसाड	04:30	-----
14:25	14:30	मानिकपुर जंक्शन	02:47	02:49
16:10	16:15	प्रयागराज छिवकी जं.	00:42	00:47
17:55	17:57	मिर्जापुर	22:35	22:37
06:05	----	बरौनी जंक्शन	----	11:00

• वलसाड से – गाड़ी संख्या 09089 दिनांक 14.10.2025 से 27.10.2025 (प्रतिदिन) • बरौनी जंक्शन से – गाड़ी संख्या 09090 दिनांक 16.10.2025 से 29.10.2025 (प्रतिदिन) • गाड़ी संरचना – सामान्य श्रेणी – 18

09091/09092 उधना जं.-समस्तीपुर जं.-उधना जं. अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी

09091 उधना जं. - समस्तीपुर जं. | 09092 समस्तीपुर जं. - उधना जं.

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	22:00	उधना जंक्शन	04:33	-----
21:58	22:03	मानिकपुर जंक्शन	04:18	04:20
23:43	23:48	प्रयागराज छिवकी जं.	02:13	02:18
11:35	----	समस्तीपुर जं.	----	14:30

• उधना जंक्शन से – गाड़ी संख्या 09091 दिनांक 14.10.2025 से 27.10.2025 (प्रतिदिन) • समस्तीपुर जंक्शन से – गाड़ी संख्या 09092 दिनांक 16.10.2025 से 29.10.2025 (प्रतिदिन) • गाड़ी संरचना – सामान्य श्रेणी – 18

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Railmadad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1907/25 (C)

सम्पादकीय.....

जोखिमभरी शांति

अब भले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दंभी तेवरों की तर्ज पर लाख दावे करते रहें कि गाजा युद्ध समाप्त हो गया है। मगर हकीकत है कि एक छोटी सी चिंगारी भी युद्ध को भड़का सकती है। एक हकीकत है कि दो साल से जारी युद्ध में जहां एक ओर भले ही गाजा पूरा तबाह हो गया हो, लेकिन इसके बावजूद हमास के लड़ाके पीछे हटने को तैयार नहीं दिखे। उनके पास ट्रंप के भारी दबाव व परिस्थितियों के चलते शांति समझौते को स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प बचा ही नहीं था। वहीं दो साल तक युद्ध लड़ते–लड़ते इस्राइली सेना में भी थकान देखी गई थी, साथ ही आतंरिक दबाव युद्ध रोकने के लिये प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर भी बराबर बना हुआ था। ट्रंप के बड़बोले दावों को पश्चिमी एशिया और शेष दुनिया बेशक गंभीरता से न लेती रही हो, लेकिन अब एक हकीकत सामने है कि उनके हस्तक्षेप ने गाजा में फिलहाल तोपों को शांत किया है। डोनाल्ड ट्रंप का सोमवार को इस्राइल में एक नायक जैसा स्वागत किया गया। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल–हमास युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में, बहुत संभव है कुछ हफ्तों में हो। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है। कहना मुश्किल है कि आने वाले वक्त में इस्राइल की निरंकुशता पर किसी हद तक अंकुश लग पाता है, ताकि गाजा के लोग फिर से सामान्य जीवन की कोशिश में किसी हद तक सफल हो सकें। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यदि सब कुछ ठीक–ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सवाल यह भी रहेगा कि लड़ाई खत्म होना एक स्थायी प्रक्रिया बन सकेगी। युद्ध समाप्ति के बाद घनी आबादी वाले इलाके में शासन कैसे चलेगा? क्या समझौते के अनुरूप हमास की भूमिका प्रशासन में खत्म हो जाएगी? क्या वास्तव में हमास हथियार डाल देगा? हालांकि, तालियों की गड़गड़ाहट के बीच इस्राइली संसद में ट्रंप ने दावा किया है कि हमास उनकी निशस्त्रीकरण योजना के प्रावधानों का पालन करेगा। लेकिन इस चरमपंथी समूह ने फलस्तीन को राज्य का दर्जा मिलने से पहले इस संभावना से इनकार किया है। बताया जा रहा है कि ट्रंप एक अंतर्राष्ट्रीय निकाय का नेतृत्व करने वाले हैं, जो गाजा के शासन के लिये एक अस्थायी गैर–राजनीतिक समिति के कामकाज की देखरेख करेगा। निस्संदेह, इस भावनात्मक मुद्दे को राजनीतिक रूप से कुशलता पूर्वक संभालने की जरूरत है। निर्विवाद रूप से इस विवाद के पटाक्षेप के लिये दो–राज्य समाधान के लिये स्पष्ट समय–सीमा का अभाव एक कसक के रूप में महसूस किया जाता रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति अपनी पीठ थपथपा सकते हैं, लेकिन देर–सवेर उन्हें अहसास हो सकता है कि उन्होंने इस बेहद जटिल मुद्दे के समाधान की कोशिशों में अपनी क्षमता से अधिक काम ले लिया है। दशकों से इस्राइल और फलस्तीनियों के संघर्ष की जड़ें गहरी हैं। जिसका स्थायी समाधान एक कल्पित प्रश्न जैसा ही है।

दीप पर्व पर उज्ज्वल भावों से भी जगमग हो स्त्रीमन

डॉ. दीपक पाचपोर

निरोगी काया से लेकर धन–दौलत और रिश्तों के रंग बनाये रखने तक, सकारात्मक सोच से अपनी झोली में उजाला भर लेने का उत्सव है। जो हर तरह के अंधकार पर विजय पाने का संदेश लिए है।

दीपावली, घर–आंगन को जगमगाने का ही पर्व नहीं, अपनी जिंदगी में प्रकाश पोसने का भी उत्सव है। लोक में फैले आलोक के बीच थोड़ी सी आभा अपने लिए सहेज लेने का का वक्त है। झिलमिल सजावट और दीयों की जगमगाहट के उजाले में अपनी सज–धज के लिए सजग रहने का समय है। इसीलिए प्रकाश पर्व की जगमग वाली त्योहारी शृंखला की शुरुआत पर मन के माहौल को भी समझो। अपने व्यक्तित्व की आभा को आंकते हुए निखार–संवार की सोचो। भावनाओं की ज्योति से भविष्य की बेहतर संभावनाओं का मार्ग तलाशो। मत भूलो कि उम्र के हर पड़ाव पर मन–जीवन का उजास और उल्लास से भरे रहना जरूरी है। दीप पर्व की चमक–दमक में भीतरी जगमग को कायम रखने की सोचें। दीपपर्व बाहरी ही नहीं, भीतरी प्रसन्नता को खुलकर जीने की चमक साथ लाता है। अपना आंगन हो या आस–पड़ोस, स्वच्छता और परम्परागत संस्कारों की रोशन रिवायतों के बीच मन के कोने–कोने को उज्ज्वल बनाने की ठानें। मन को संयत रखने से जो आंतरिक चमक आती है, वह त्योहारी मौसम के बाद भी आपको खुशी की दीप्ति से लबरेज रखेगी। सोचिए कि सब कुछ संवारते–सजाते हुए आप ही टूटी बिखरी सी हैं तो आंगन की चमक के मायने? उत्सव के उल्लास का क्या अर्थ? दीपावली का त्योहार तो सुख–समृद्धि के हर पहलू से जुड़ा है। निरोगी काया से लेकर धन–दौलत और रिश्तों के रंग बनाये रखने तक, सकारात्मक सोच से अपनी झोली में उजाला भर लेने का उत्सव है। जो हर तरह के अंधकार पर विजय पाने का संदेश लिए है। फिर क्यों ना दीयों की बाती से बिखरती चमक के बीच अनुभूतियां भी प्रकाशित हों? आज के उलझते–बिखरते जीवन में उत्साह की इस रोशनी से अपनी जिंदगी को भी जगमग करने की राह चुनें। हर तरह की साज सज्जा में अपने प्रति स्वस्ति कामना का भाव भी जरूर हो। कभी–कभी दिल शिकायतों के अंधकार से भर जाता है। चाहे–अनचाहे मन डूबने लगता है। परिवेश में फैली त्योहारी रोनक की उजास में अपने जीवन से जुड़ी छोटी–बड़ी बातों को लेकर निराशा का अंधेरा घेरने लगता है। कभी बीते वक्त से जुड़ा अपराधबोध तो कभी भविष्य की चिंता। स्त्री मन उलझनों के स्याह दायरे में आ ही जाता है। कुछ कमी होने के ख्यालों के बीच हमारा मस्तिष्क जो कुछ है, उसे भी नहीं देख पाता। इस मनःस्थिति में घिरी हैं तो अपने आसपास देखने पर पाएंगी कि कहीं किसी जर्जर घर के द्वार पर दीपक की ज्योत मुस्कुरा रही है। हर दिन अनगिनत उलझनों को जीने वाले लोगों की बस्तियां भी झिलमिल उजास की सजावट लिए हैं। अभावों से जूझ रहे लोगों के आंगन में भी रंगोली उकेरी जा रही हैं। सालभर अपनों से दूर रहने वाले लोग गांव–घर लौट रहे हैं। यह अवलोकन आपके मन में नयी ऊर्जा की ज्योति जलायेगा। आप हर परेशानी को भूल जीवन में मिली ब्लेसिंग्स को देख पाएंगी। दीप्ति बिखेरते दीयों की कतारों के बीच अपने मन को बोझिल होने से बचाने लिए आभार का यह भाव आवश्यक है। प्रकाश पर्व मनाने की सबसे सुंदर और सार्थक रीत यही है कि मन में पॉजिटिविटी की छटा बिखर जाए। मां लक्ष्मी की उपासना का पर्व अपने व्यक्तित्व को सजाने–संवारने से भी जुड़ा है। रूप को आलोकित करने के लिए बाकायदा रूप चौदस का दिन एक के बाद एक मनाये जाने वाली इस त्योहारी कतार का हिस्सा है। आप तो खुद गृहलक्ष्मी हैं। सेहत की संभाल हो या निखार–संवार, खुद की अनदेखी कभी ना करें। सुख–समृद्धि को बटोरते जाने के बजाय उसे जीने का भाव लाएं। आमतौर पर स्त्रियां सब कुछ जुटाती जाती है। सहेजकर रखने का भाव अच्छा है पर जीवन की सहजता में कटौती करना उचित नहीं। खुशी, सुकून और सौभाग्य का प्रकाश हर ओर फैलाने वाले दिवाली पर्व पर धन की देवी लक्ष्मी और ज्ञान की देवी सरस्वती का पूजन किया जाता है। साथ बुद्धि के देवता गणेश भी पूजे जाते हैं। जिसका अर्थ यह है कि गृहलक्ष्मी के रूप में हर स्त्री दायित्व निर्वहन की भागदौड़ में ही गुम ना रहे बल्कि विवेकशील सोच भी रखे। आपाधापी भरे जीवन को ज्ञान के साथ संभाले। अपनी प्रतिभा से उलझनों को सुलझाए। दीपावली का त्योहार आध्यात्मिक, धार्मिक, परम्परागत और व्यावहारिक जीवन के हर पहलू को जगमग करने का उत्सव है। आपकी समझदारी और सूझबूझ से ही घर का आंगन जगमगाता है। याद रहे कि इसमें स्वयं आपके अस्तित्व और व्यक्तित्व की सुघड़ता और सुंदरता भी शामिल है। अमावस्या की रात्रि को दीपावली का त्योहार मनाया जाता है। अंधेरी रात को प्रकाश पूरित करने की परम्परा ही बहुत कुछ कहती है। दीपक भी संदेश है कि –अप्पो दीपो भव, स्वयं दीप बनो। वहीं दीपावली शब्द का अर्थ ही है 'प्रकाश की पंक्ति' ऐसे में हर स्त्री को समझना होगा कि अपने भीतर प्रकाश पोसने के प्रयास खुद को ही करने हैं। साथ ही एक महिला के सकारात्मक मनोभावों की उजास किसी न किसी रूप में दूसरी स्त्री तक भी पहुंचती है। सामाजिक–पारिवारिक परिवेश में यों स्त्रियों के उल्लासित चेहरों की पंक्ति बनते जाने से सुखद क्या हो सकता है? सही मायनों में यही तो अंधकार पर प्रकाश, नाउम्मीदी पर उम्मीद और अज्ञान पर ज्ञान की विजय है।

नव–बौद्धों ने हिन्दू दलितों की अपेक्षा अधिक प्रगति की

एस आर दारापुरी

डा. बाबासाहेब भीम राव अंबेडकर ने सबसे पहले 1927 में महाड़ तालाब सत्याग्रह के दौरान धर्म परिवर्तन का संकेत दिया था जब उन्होंने कहा था, "हम समाज में समान अधिकार चाहते हैं। हम जहां तक संभव होगा हिन्दू समाज में रहते हुए प्राप्त करेंगे या यदि जरूरी हुआ तो इस बेकार हिन्दू पहचान को लात मार कर करेंगे।" शुरू में डा. अंबेडकर ने हिन्दू समाज में सुधार लाने की पूरी कोशिश की। वे हिन्दू धर्म में रहते हुए ही छुआछूत दूर करना चाहते थे। उनका महाड़ सत्याग्रह एवं नासिक कालाराम मंदिर सत्याग्रह (1930) उनके हिन्दू धर्म को सुधारने के लगातार प्रयासों के स्पष्ट उदाहरण हैं। अंत में, बाबासाहेब ने दुख के साथ महसूस किया कि सवर्ण हिंदुओं के व्यवहार को बदलना असंभव है। अतः उन्होंने हिन्दू धर्म को त्यागने का फैसला किया। घुमाव का बिन्दु अक्तूबर 1935 में आया जब डा. अंबेडकर ने झटका देने वाली घोषणा कीरू "मैं हिन्दू अछूत पैदा हुआ यह मेरे बस की बात नहीं थी परंतु मैं हिन्दू के रूप में मरूँगा नहीं।" 1936 में डा. अंबेडकर ने इस्लाम, ईसाई तथा सिख तीन धर्मों, जिनके स्पष्ट अलग अलग लाभ थे, में से एक धर्म को चुनने का विकल्प रखा। इन तीन धर्मों में इस्लाम तथा ईसाई धर्म अपनाने के बारे में उनका मत था कि इससे डिप्रेस्ड क्लासेस का विराष्ट्रीयकरण हो जाएगा और इससे स्वतंत्रता संघर्ष असंगठित हो जाएगा जबकि सिक्ख धर्म अपनाने से देश को कोई खतरा नहीं होगा। वास्तव में मई 1936 में डा. अंबेडकर ने अपने बड़े बेटे यशवंत और 13 अन्य लोगों को सिक्ख धर्म का अध्ययन करने के लिए सवर्ण मंदिर अमृतसर भेजा। परंतु जब उन्हें रिपोर्ट मिली कि जट सिक्ख भी दलित सिक्खों पर हिंदुओं की तरह ही अत्याचार एवं छुआछूत करते हैं तो उन्होंने सिक्ख धर्म अपनाने का विचार छोड़ दिया। डॉ. बाबासाहेब भीम राव आंबेडकर ने 31 मई, 1936 को दादर (बम्बई) में "धर्म परिवर्तन क्यों? " विषय पर बोलते हुए अपने विस्तृत भाषण में कहा था," मैं स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूँ कि मनुष्य धर्म के लिए नहीं बल्कि धर्म मनुष्य के लिए है। अगर मनुष्यता की प्राप्ति करनी है तो धर्म परिवर्तन करो। समानता और सम्मान चाहिए तो धर्म परिवर्तन करो। स्वतंत्रता से जीविका उपार्जन करना चाहते हो धर्म परिवर्तन करो। अपने परिवार और कौम को सुखी बनाना चाहते हो तो धर्म परिवर्तन करो।"28 अगस्त, 1937 को बाबासाहेब ने अछूतों के समूह को संबोधित करते हुए अपने शिष्यों को हिन्दू धर्म के त्योहार मनाने को त्यागने हेतु कहा। उन्होंने कहा कि धर्म परिवर्तन तो होकर रहेगा ही परंतु इस मामले में काफी सोचने समझने की जरूरत है। "नया धर्म काफी जांच पड़ताल के बाद ही अपनाया जाएगा।" अंत में बाबासाहेब ने 14 अक्तूबर, 1956 को दीक्षा भूमि नागपुर में पाँच लाख अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया और कहा कि, "आज मेरा नया जन्म हुआ है." जब बाबासाहेब ने आछूतों के धर्म परिवर्तन की बात चलाई थी तो इसका विरोध न केवल सवर्णों बल्कि अछूत नेताओं ने भी किया था। सवर्ण नेताओं का कहना था कि डा. अंबेडकर अछूतों को गुमराह कर रहे हैं। इससे उन्हें कोई फायदा होने वाला नहीं है। इसके विपरीत कुछ का यह भी तर्क था कि डा. अंबेडकर मरे पशुओं को न उठाने की बात कह कर उनको चमड़े तथा हड्डियों से होने वाले चार सौ रुपए के लाभ से वंचित कर रहे हैं। इस पर डा. अंबेडकर ने कहा कि मैं मरे पशु के लिए पाँच सौ रुपए देता हूँ। सवर्ण आगे आएं और मरे पशु को उठाकर लाभ कमाएं और मुझ से पाँच सौ रुपए भी ले लें। परंतु कोई सवर्ण सामने नहीं आया। कुछ अछूत नेता धर्म परिवर्तन का यह कह कर विरोध कर रहे थे कि हमें अपने पुरखों का धर्म नहीं छोड़ना चाहिए और हिन्दू रह कर अपने अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए। उनका यह भी कहना था कि इससे अछूतों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में कोई अंतर आने वाला नहीं है। आइए अब देखा जाये कि बाबा साहेब ने धर्म परिवर्तन के जिन उद्देश्यों और संभावनाओं का जिक्र किया था, उन की पूर्ति किस हद तक हुई है। सब से पहले यह देखना उचित होगा कि बौद्ध धर्म परिवर्तन की गति कैसी है। सन 2011 की जन गणना के अनुसार भारत में बौद्धों की जनसंख्या लगभग 84 लाख है जो कुल जनसंख्या का लगभग 0.7 प्रतिशत है। इस में 13: परम्परागत बौद्ध और 87 : हिन्दू दलितों में से धर्म परिवर्तन करके बने नव–बौद्ध हैं। इस में सब से अधिक बौद्ध महाराष्ट्र में 65 लाख हैं। सन 2001 से सन 2011 की अवधि में बौद्धों की जनसंख्या में 6.1: की वृद्धि हुई है परंतु कुल जनसंख्या 0.8: से घट कर 0.7: हो गई है जो गंभीर चिंता का विषय है। अब अगर नव–बौद्धों में आये गुणात्मक परिवर्तन की तुलना हिंदू दलितों से की जाये तो यह सिद्ध होता है कि नव–बौद्ध हिन्दू दलितों से सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ गए हैं जिससे बाबासाहेब के धर्म परिवर्तन के उद्देश्यों की पूर्ति होने की पुष्टि होती है। अगर सन 2011 की जन गणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर नव–बौद्धों की तुलना हिन्दू दलितों से की जाये तो नव–बौद्ध निम्नलिखित क्षेत्रों में हिन्दू दलितों से बहुत आगे पाए जाते हैं। नव–बौद्धों में स्त्रियों और पुरुषों का लिंग अनुपात 965 प्रति हजार है जबकि हिन्दू दलितों में यह अनुपात केवल 945 है। इस से यह सिद्ध होता है कि नव–बौद्धों में महिलायों की स्थिति हिन्दू दलितों से बहुत अच्छी है। नव–बौद्धों में महिलाओं का उच्च अनुपात बौद्ध धर्म में महिलाओं के समानता के दर्जे के अनुसार ही है जबकि हिन्दू दलितों में महिलाओं का अनुपात हिन्दू धर्म में महिलाओं के निम्न दर्जे के अनुसार है। नव–बौद्धों में महिलायों का यह अनुपात राष्ट्रीय अनुपात 943, हिन्दुओं के 939, मुसलमानों के 951, सिक्खों के 903 और जैनियों के 954 से भी अधिक है।

गीत

'तुम बहुत ही याद आए'

डॉ० भगवान प्रसाद उपाध्याय

दर्द के बादल उमड़ कर
आंख में ऐसे समाये
मौन व्याकुल इस हृदय में
तुम बहुत ही याद आये

प्यार का मकरंद घोले
जो विहंसता था यहाँ
रूप वह भोला सलोना
आज खोया है कहाँ

दीप स्मृति के जलाकर
द्वार पर मैंने सजाये
मौन व्याकुल इस हृदय में
तुम बहुत ही याद आये

अमराइयों की छांव में जो
कल सुनहरे पल बिताए
प्रश्न अनसुलझे बहुत थे
पर तुम्हीं ने हल सुझाये

शब्द तुमसे ही चुराकर
गान भ्रमरों ने सुनाए
मौन व्याकुल इस हृदय में
तुम बहुत ही याद आये

लहर गिनना या अकेले
बैठ यादों के झरोखे
जिन्दगी ने प्यार में
अनगिनत खाए हैं धोखे

पर तुम्हारा पत्र ही है
जो सदा ढाढ़स दिलाए
मौन व्याकुल इस हृदय में
तुम बहुत ही याद आये

'निवास' : पत्रकार भवन – गंधियांव
करछना प्रयागराज उ० प्र०
पिनकोड – 212301
दूरभाष – 9935205341
वाट्सएप – 8299280381

युद्ध और शांति के खेल में नोबेल

प्रेम शर्मा

वैश्विक राजनीति में किस तरह नोबेल पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित सम्मान की आड़ में नए खेल रचे जा रहे हैं, इसका ताजा उदाहरण 2025 के लिए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए घोषित नाम पर सामने आया। वेनेजुएला की राजनेता मारिया कोरिना मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है। समिति ने इसका ऐलान करते हुए कहा कि 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार शांति के एक साहसी और ऐसी चौंपियन को दिया जाता है, जो बढ़ते अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ को जलाए रखती है। बता दें कि मारिया कोरिना मचाडो को वेनेजुएला की श्आयरन लेडीश भी कहा जाता है, उन्होंने स्वतंत्र चुनावों को बढ़ावा देने वाले नागरिक समाज समूह सुमाते और लोकतांत्रिक परिवर्तन की वकालत करने वाले गठबंधन सोयवेनेजुएला की स्थापना में सहायता की। वे 2010–2015 से नेशनल असेंबली की सदस्य रही हैं। बताया जाता है कि पिछले कुछ सालों में मारिया को छिपकर रहना पड़ा था, क्योंकि उनकी जान को खतरा था, लेकिन वो देश छोड़कर नहीं गईं। नोबेल समिति का कहना है कि वेनेजुएला में रहना उनका फैसला था, जिससे कई लोगों को प्रेरणा मिली। जब तानाशाह सत्ता पर कब्जा कर लेते हैं, तो स्वतंत्रता के लिए लड़ने और सत्ता का विरोध करने वाले लोगों को पहचानना जरूरी होता है।लेकिन यही पूरा सच नहीं है। न ही मचाडो दुनिया में अकेली ऐसी नेता हैं। दुनिया के कई देशों में सत्ता की मनमानी और लोकतंत्र के नाम पर तानाशाही को बढ़ावा देने की प्रवृत्ति के खिलाफ आवाजें उठाई जा रही हैं, सत्ता के दमन और अत्याचारों का सामना किया जा रहा है। मचाडो अगर लोकतंत्र के लिए संघर्ष करती रही हैं, तो दूसरी तरफ वे युद्ध के तरीकों की हिमायत भी करती रही हैं। खासकर इजरायल की वे समर्थक रही हैं। गजा पर बमबारी को वो इजरायल का सही फैसला मानती हैं। साथ ही मारिया अपने खुद के देश में सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए विदेशी ताकतों की मदद लेने से भी नहीं कतराती हैं। 2018 में उन्होंने इजरायल और अर्जेंटीना को खत लिखकर वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पद से हटाने की अपील की थी। 2 साल पहले अपनी एक पोस्ट में मारिया ने लिखा था कि श्वेनेजुएला का संघर्ष भी इजरायल की तरह है।श मारिया ने यहां तक कहा था कि अगर वो सत्ता में आईं तो इजरायल की आजादी में पूरी मदद करेंगी। ऐसे में सहज ही सवाल उठता है कि जिस इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर युद्ध के आरोप हों, जिनकी बर्बरता पिछले दो सालों में दुनिया ने देखी है, उसका समर्थन करने वाला कोई भी शख्स आखिर किस तरह नोबेल शांति पुरस्कार का हकदार हो सकता है। लोकतंत्र की बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी करते हैं, बल्कि वे तो दुनिया में सात ऐसे युद्धों को बंद करवाने का दावा करते हैं, जिनके खत्म होने की संभावनाएं नहीं थीं और वे जारी रहते तो भीषण तबाही होती। भारत और पाकिस्तान के बीच जंग रोकने का दावा भी कम से कम 40 बार ट्रंप कर चुके हैं, जिसे पाकिस्तान ने तो माना है, भारत ने इससे इंकार किया है। हालांकि फिर भी ट्रंप को झूठा कहने की हिम्मत नरेन्द्र मोदी ने अब नहीं दिखाई है। बहरहाल, इन युद्धों को रुकवाने की वजह से ट्रंप खुद को शांति पुरस्कार का सबसे बड़ा दावेदार मान चुके थे। कई बार इसका सार्वजनिक इजहार उन्होंने किया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने बाकायदा कहा कि वे ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार देने की सिफारिश करते हैं। फिर गजा शांति समझौते के बाद जिस तरह अमेरिका समर्थक तमाम देशों ने ट्रंप की वाहवाही के ट्वीट किए, उससे जाहिर हुआ कि नोबेल शांति पुरस्कार के लिए जमकर गुटबंदी हो रही है। हालांकि मचाडो को पुरस्कार मिलने की घोषणा के बाद ट्रंप की सारी उम्मीदों पर पानी फिर गया। लेकिन मचाडो ने इस पुरस्कार को ट्रंप को समर्पित करने के साथ ही संकेत दे दिए कि अभी वैश्विक राजनीति में युद्ध और शांति के खेल की लंबी पारी उन्हें खेलनी है। इस बीच गजा शांति समझौते के बाद सोमवार को जब इजरायल और हमास के बीच कैदियों का आदान–प्रदान होना था, तब डोनाल्ड ट्रंप इजरायल पहुंच चुके थे। यहां उन्हें देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया गया। इस दौरान ट्रंप ने इजरायल और हमास के समझौते को अपनी आठवीं हल की गई संघर्ष उपलब्धि बताया और यह भी कहा कि मैंने ये सब नोबेल के लिए नहीं किया। यहां ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान का जिक्र भी किया कि अगर ये दोनों देश फिर युद्ध की ओर बढ़े, तो मैं टैरिफ लगाऊंगा। यह वही पुरानी धमकी है, जो मई में भी ट्रंप ने दी थी। तो मचाडो हों या ट्रंप, इनका इतिहास और वर्तमान यही सुझा रहा है कि दोनों ही शांति पुरस्कार के सही हकदार नहीं थे। ट्रंप को तो खैर नोबेल पुरस्कार मिला ही नहीं, लेकिम मचाडो को देने से क्या पुरस्कार की गरिमा कम हुई है, यह सवाल वैश्विक पटल पर उभरा है। अमेरिका स्थित मुस्लिम अधिकारों के लिए बने संगठन काउंसिल ऑन अमेरिकन–इस्लामिक रिलेशन ने नोबल समिति को अपने फैसले पर फिर से विचार करने का सुझाव दिया है। संगठन का कहना है, नोबल समिति को एक बार फिर से सोचना चाहिए। मारिया को यह पुरस्कार देने से नोबल की छवि को गहरा झटका लग सकता है। वैसे मारिया कोरिनो मचाडो को पुरस्कार मिलने के साथ ही अमेरिका और रूस फिर आमने–सामने दिख रहे हैं। दरअसल मारिया को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन है, वहीं, वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को पुतिन का साथ मिला हुआ है। रूस और वेनेजुएला ने 10 साल के एक रणनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। जिसमें रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग शामिल है। अमेरिका के साथ राजनयिक संबंध टूटने के बाद वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने रूस से हाथ मिलाया है। इधर अगस्त में ट्रंप ने मादुरो की गिरफ्तारी में सहायता करने वाले को 5 करोड़ डॉलर के ईनाम की घोषणा भी की थी, जो ओसामा बिन लादेन पर रखे ईनाम से भी ज्यादा है। अमेरिका अगर वेनेजुएला में अपनी पसंद की सरकार बनवाता है, तो उसमें सबसे ऊपर नाम मारिया का ही आएगा। वहीं मादुरो को रूस और ईरान का साथ मिल सकता है। जिसके बाद एक नयी जंग छिड़ने की आशंका गहराएगी।

अमृता राव

पर किसी ने किया था वशीकरण, 3 बड़ी फिल्में हो गईं डिब्बा बंद

“ खुलासा कर बोलीं विवाह एक्ट्रेस–इंडस्ट्री में काला जादू होता है

विवाह एक्ट्रेस अमृता राव को भला कौन नहीं जानता। फिल्म में अपने सादगी और मासूमीयत भरे किरदार से दिल जीतने वाली अमृता के फैंस आज भी खूब दीवाने हैं। एक्ट्रेस को हाल ही में जॉली एलएलबी 3 में देखा गया था। इसके पहले भी कई और अन्य फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। इसी बीच हाल ही में उन्होंने एक पॉडकास्ट में बताया कि उन पर किसी ने काला जादू किया था। पहले तो उन्हें यकीन नहीं हुआ, लेकिन जब उन्होंने महसूस किया तो वह दंग रह गई थीं। दरअसल, हाल ही में अमृता राव, रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में पहुंची, जहां उन्होंने कई बातों का खुलासा किया। इस दौरान होस्ट ने उनसे ब्लैक मैजिक को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने पहले तो सवाल पर ही सवाल किया कि वह ऐसी चीजें क्यों पूछते हैं तो रणवीर ने बताया कि जो सिंपल और साफ दिल के होते हैं, वो डार्क साइड से ज्यादा अफेक्ट होते हैं। एक्ट्रेस ने आगे खुलासा किया कि एक बार वह अपने गुरुजी से मिली थीं। उन्होंने उस वक्त तो आशीर्वाद दिया लेकिन 1–2 दिन बाद उनकी मां से कहा कि उनकी बेटी पर किसी ने काला जादू किया है। वशीकरण किया गया है। अमृता ये बात सुनकर चौंक गई थीं। उन्होंने कहा– मैं वशीकरण जैसी बात पर कभी भरोसा नहीं करती। अगर ये बात उन गुरु के अलावा किसी और ने बोली होती। अमृता ने आगे कहा, श्मुझे पता है कि वह जेनुअन हैं। उन्हें कुछ भी खोने का मलाल नहीं है। कुछ पाने की इच्छा नहीं है। उन्होंने मुझे बस सच बताया उनकी बातें सुनने के बाद मुझे लगा कि शायद मुझ पर काला जादू हुआ था। अभी तक मैंने दूसरी एक्ट्रेसेस से ही सुना था कि इंडस्ट्री में काला जादू होता है। हालांकि मुझे कभी ऐसा फील नहीं हुआ था। विवाह एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होने उस वक्त तीन बड़ी फिल्में साइन की थीं। और सभी बड़े बैनर की मूवी थीं। लेकिन मजेदार बात ये है कि तीनों ही फिल्में बनी नहीं। एक्ट्रेस ने साइनिंग अमाउंट भी ले लिया था लेकिन जब सब डिब्बा बंद हो गया तो उन्हें वो पैसे लौटाने पड़े थे।

रूमर्ड गर्लफ्रेंड के बर्थडे पर 'सैयारा' फेम अहान पांडे ने की लेट नाइट पार्टी, गाने पर झूमते एक-दूजे में खोया दिखा कपल

'सैयारा' से धमाकेदार डेब्यू करने वाले अहान पांडे एक बार फिर सुर्खियों में हैं, इस बार अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड अनीत पड्डा के कारण। दरअसल, अनीत 14 अक्टूबर को अपना 23वां जन्मदिन मना रही हैं, जिनके साथ अहान का नाम जोड़ा जा रहा है। अपनी को–स्टार और रूमर्ड गर्लफ्रेंड के खास मौके पर अहान ने शानदार सेलिब्रेशन किया, जिसकी तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। अहान ने अपने इंस्टाग्राम पर खास पल की झलक शेयर की, जिसमें दोनों म्यूजिक पर झूमते और एक–दूसरे की कंपनी का आनंद लेते नजर आ रहे हैं। वीडियो में दोनों की गजब की केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। हंसी–मजाक, साथ में गाना गाना और डांस करना फैंस को खूब पसंद आ रहा है। एक क्लिप में दोनों अपने मैचिंग रिस्टबैंड भी दिखाते नजर आ रहे हैं, जिससे फैंस के बीच उनके रिश्ते को लेकर चर्चाएं और तेज हो गई हैं। कॉन्सर्ट से सामने आई दोनों की कुछ सेल्फीज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। एक तस्वीर में अनीत और अहान अपनी आंखें बंद करके म्यूजिक का आनंद ले रहे हैं। अनीत और अहान ने फिल्म 'सैयारा' से साथ में इसी साल बॉलीवुड में डेब्यू किया है। फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई और दोनों की ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया। तब से ही दोनों के बीच नजदीकियों की खबरें चर्चा में हैं। हालांकि, अब तक न तो अहान और न ही अनीत ने अपने रिश्ते पर कोई ऑफिशियल बयान दिया है।

सपना चौधरी के शो में हंगामा, बदमाशों ने कमरे में घुसकर दी गोली मारने की धमकी

“ सपना चौधरी का शो कोरबा के जश्न रिजार्ट में आयोजित किया गया था। शो में भीड़ इतनी ज्यादा थी कि पुलिस और आयोजकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सुरक्षा कारणों से ढाई घंटे का शो केवल एक घंटे में ही खत्म करना पड़ा। इसके बाद, रात में कुछ लोगों ने सपना चौधरी के कमरे में घुसने की कोशिश की।

हरियाणा की मशहूर डांसर और सिंगर सपना चौधरी एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनके किसी डांस परफॉर्मेंस से ज्यादा एक बड़े विवाद की है। दरअसल, छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में उनके शो के दौरान हंगामा और धमकी का मामला सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सपना चौधरी से न केवल बदसलूकी की गई, बल्कि उन्हें गोली मारने की धमकी भी दी गई। यह घटना 12 अक्टूबर की बताई जा रही है। सपना चौधरी का शो कोरबा के जश्न रिजॉर्ट में आयोजित किया गया था। शो में भीड़ इतनी ज्यादा थी कि पुलिस और आयोजकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सुरक्षा कारणों से ढाई घंटे का शो केवल एक घंटे में ही खत्म करना पड़ा। इसके बाद, रात में कुछ लोगों ने सपना चौधरी के कमरे में घुसने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने न केवल दरवाजा तोड़ने की कोशिश की, बल्कि सपना को गालियां दीं और गोली मारने की धमकी भी दी। इस पूरे मामले की शिकायत रिजॉर्ट संचालक चरणजीत सिंह ने पुलिस में दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने चार लोगोंकृअनिल द्विवेदी, सुजल अग्रवाल, नवरंगलाल अग्रवाल और युगल शर्माकृके खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। रिपोर्ट के अनुसार, ये चारों लोग देर रात सपना चौधरी के कमरे तक पहुंच गए और बदसलूकी की। उन्होंने रिजॉर्ट में तोड़फोड़ की, सीसीटीवी का डीवीआर और 10 हजार रुपये नकद लेकर भाग गए। इस मामले में दूसरी तरफ से भी शिकायत दर्ज कराई गई है। आरोपी अनिल द्विवेदी ने पुलिस को बताया कि वह केवल सपना चौधरी को उनके सफल शो की बध ाई देने गए थे। उनका आरोप है कि रिजॉर्ट स्टाफ ने उन्हें रोका और उनके साथ मारपीट कर पांच तोला सोने की चौन लूट ली। घटना के बाद सपना चौधरी ने बयान दिया कि अगर समय रहते रिजॉर्ट मालिक करनदीप सिंह और पुलिस मौके पर न पहुंचते, तो शायद उनकी जान भी जा सकती थी। उन्होंने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बैकस्टेज से ब्लॉकबस्टर तक: जोया अख्तर के जन्मदिन पर जानिए उनका फिल्मी सफर

जोया अख्तर उन फिल्ममेकर्स में से हैं जिन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। अपनी जबरदस्त प्रतिभा, मेहनत और समझ के साथ उन्होंने कई शानदार फिल्में दी हैं। लेकिन एक मशहूर डायरेक्टर बनने से पहले उनकी शुरुआत बहुत पहले हुई थी, जब उन्होंने असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया था। ऐसे में उनके जन्मदिन के मौके पर उनके इस प्रेरणादायक सफर को याद करने का एकदम सही समय है। डायरेक्टर के रूप में अपनी पहली फिल्म लक बाय चांस से पहले, जोया ने एक असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर लंबा सफर तय किया था। उन्होंने मीरा नायर, टोनी गर्बर और देव बेनेगल जैसे बेहतरीन फिल्ममेकर्स के साथ काम किया। इतने शानदार डायरेक्टर्स के साथ काम करने का असर उनकी अपनी फिल्मों में साफ झलकता है। इसके अलावा, उन्होंने दिल चाहता है और लक्ष्य जैसी मशहूर फिल्मों में भी असिस्ट किया था। साल 2009 में अपनी पहली फीचर फिल्म से पहले, जोया ने कुछ म्यूजिक वीडियो और डॉक्युमेंट्रीज भी डायरेक्ट की थीं।आज जोया एक ऐसी फिल्ममेकर बन चुकी हैं जिन्हें किसी पहचान की जरूरत नहीं। उन्होंने जिंदगी ना मिलेगी दोबारा, दिल धड़कने दो, लस्ट स्टोरीज, गली बॉय, मेड इन हेवन, दहाड़ जैसी कई शानदार और सफल फिल्में दी हैं। बड़ी स्क्रीन पर अपनी बेहतरीन कहानियों से छा जाने के अलावा, उन्होंने ओटीटी और दूसरे एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स पर भी अपनी अलग पहचान बनाई है। कम वक्त में ही जोया ने खुद को इंडस्ट्री की सबसे शानदार डायरेक्टर्स में शामिल कर लिया है। ऐसे में अब उनके सभी फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि जोया आने वाले समय में क्या नया लेकर आने वाली हैं।

'अपराधी' सलमान खान 'बैटल ऑफ गलवान' में बनेंगे फौजी? दबंग निर्देशक अभिनव कश्यप का तीखा सवाल

फिल्म निर्माता अभिनव कश्यप ने एक बार फिर बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान पर निशाना साधा है। बॉलीवुड ठिकाना को दिए एक हालिया इंटरव्यू में, उन्होंने खान के करियर को बचाने से परे बताया और आगामी फिल्म ''बैटल ऑफ गलवान'' में एक सैनिक की भूमिका निभाने की उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। ''दबंग' के निर्देशक अभिनव कश्यप ने सलमान खान के साथ अपने विवाद को फिर से हवा दे दी है, सुपरस्टार पर ष्अपराधीष होने का आरोप लगाया है और बैटल ऑफ गलवान में एक सैनिक की भूमिका निभाने की उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाया है। यह विवाद कश्यप के लंबे समय से चले आ रहे दावों से उपजा है कि सलमान ने दबंग को हाईजैक कर लिया और एक विषाक्त कार्य वातावरण बनाया, जिसके कारण निर्देशक को अंततः सीक्वल से हाथ धोना पड़ा। बॉलीवुड ठिकाना द्वारा साझा किए गए एक हालिया इंटरव्यू में, अभिनव ने बिना किसी हिचकिचाहट के कहा, ष्एक काल्पनिक स्थिति यह हो सकती है कि सलमान मुझ पर हमला करने का आदेश दे।ष उन्होंने आगे कहा, ष्जब मैं उनकी आलोचना कर रहा हूँ तो वह कुछ नहीं कह रहे हैं, लेकिन उनके चाटुकारों को इससे समस्या है। इस आदमी ने अपनी ज़िंदगी इस हद तक बर्बाद कर ली है कि अब उसे बचाया नहीं जा सकता।ष सलमान की आने वाली फिल्म के बारे में उन्होंने कहा, ष्उनके जैसा अपराधी फौजी का किरदार निभाएगा? कश्यप ने सलमान के साथ अपने मनमुटाव का और विस्तार से ज़िक्र किया, और बताया कि दबंग में सुपरस्टार को बड़ा ब्रेक देने के बाद उन्हें कैसा विश्वासघात महसूस हुआ। अभिनव ने सलमान के छपरी या घटिया अंदाज़ पर निशाना साधते हुए कहा, ष्उन्होंने मुझसे फिल्म के लिए भीख माँगी, और मैंने उन्हें दबंग में मौका दिया, लेकिन उन्होंने मेरी पीठ में छुरा घोंप दिया। ये जो इन लोगों ने ज़हर डाला है न मेरे अंदर, ये ज़हर की उल्टी कर रहा हूँ मैं।ष उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि सलमान जैसे किसी व्यक्ति को वीर सेनानी के रूप में क्यों लिया जा सकता है।

अब नहीं टूटेगी कांच की बर्नियां, इस ट्रिक से मिनटों में चमकाएं!

कांच की बर्नियां को धोने में काफी डर भी लगता हैं कहीं टूट न जाए। कई बार तो साफ करते हुए कांच के कंटेनर टूट भी जाते हैं। चाहे आप इसे कितना भी संभाल के क्यों न धोएं। इस समस्या से अब परेशान होने की कोई जरुरत नहीं है। दिवाली का त्योहार नजदीक आ चुका है। ऐसे में महिलाएं किचन की साफ–सफाई में लगी होगी। किचन में रखी कांच की बर्नियों पर पानी के धब्बे, चाय या दूध के दाग जल्दी चिपक जाते हैं। इसपर मिट्टी भी जमी होती है, जिसकी वजह से बर्नियां उठाने का मन नहीं होता। तो आप इनको इन ट्रिक्स के जरिए झटपट तरीके से क्लीन कर सकते हैं।

कांच की बर्नियों को कैसे धोएं?

– सबसे पहले आप एक टब लीजिए और इसमें गर्म पानी भर दें।

– इसके बाद आप पानी को ऊपर तक भर दें ताकि इसमें सारी बर्नियां आसानी से डूब जाएं।

– अब इसमें डिटर्जेंट पाउडर डालें, इसे अच्छे से घोल लें।

– इसमें आधा नींबू निचोड़ दें। नींबू की एसिडिटी कड़वे दाग और तेल आसानी से हट जाते हैं।

– इन बर्नियों को पानी में कम से कम 10 से 15 मिनट तक डाले रखें। तब तक आप कोई दूसरे काम कर सकती हैं।

– इसके बाद किसी कपड़े या सॉफ्ट ब्रश या स्पंज से बर्नियों को पानी के अंदर हाथ डालकर ही साफ करें।

– अब आप दूसरी बाल्टी या टब में पानी लें, बर्नियों को धीरे–धीरे निकालकर रख दें।

– 2 बार साफ पानी से निकाल कर साफ कर लेंगी, तो यह एकदम साफ हो जाएगा।

– यह लीजिए साफ हो गई झटपट तरीके से कांच की बर्नियां।

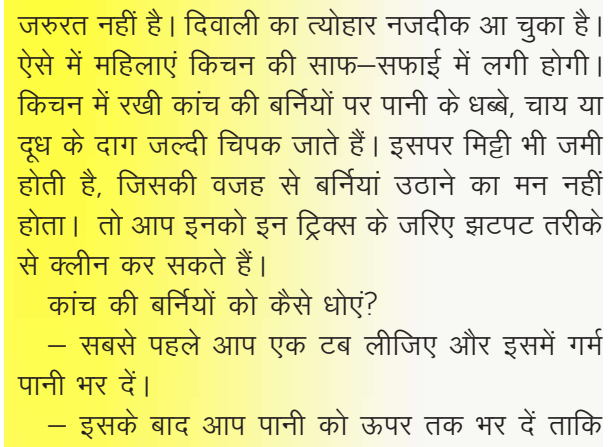

दिवाली की सफाई करते समय इन बातों का रखें ध्यान, नहीं होगी पानी की बर्बादी

फेस्टिवल का सीजन चल रहा है। दिवाली का त्योहार सिर्फ़ रोशनी, उपहारों का आदान–प्रदान और मिठाइयों का आनंद लेने तक ही सीमित नहीं है। क्योंकि यह त्योहार प्रतीकात्मक रूप से हर चीज को नए सिरे से शुरू करने से भी जुड़ा है। परंपरागत रूप से, दिवाली से पहले घरों की सफाई और अव्यवस्था को दूर किया जाता है ताकि समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का स्वागत हो सके। दिवाली पर माता लक्ष्मी को खुश करने के लिए घर के कोने–कोने की सफाई जरुर होती है। हालांकि, सफाई के दौरान लोग पानी का ज्यादा ही इस्तेमाल करते हैं, जिससे पानी की बर्बादी होती है। घर की साफ–सफाई करने के बाद आप इन टिप्स को फॉलो करेंगी तो पानी की बर्बादी नहीं होगी।

पानी से धोने के बजाय पोछने का काम करें

कई महिलाएं अच्छे से सफाई के चक्कर में हर एक चीज की पानी से धोकर साफ करती है। छत, बालकनी जैसे बड़े एरिया को पानी से धोने पर पानी ज्यादा बर्बाद होता है। इसकी जगह आप गीले कपड़े का प्रयोग कर सकते है। अगर आपके घर में कार है तो उसे पानी से नहीं धुले उसे कपड़े से पोछकर साफ कर सकते हैं।

घरेलू नुस्खे बड़े काम के

आप चाहे तो विनेगर, बेकिंग सोडा, नमक और ब्लीच जैसी चीजों से घर की सफाई करती है, ऐसा करने से आपका काम भी आसान हो जाएगा। बता दें कि, ऐसा करने से सफाई भी अच्छे से होती है और साबुन वाला झाग भी नहीं बनता। जिसे छुटाने के लिए पानी ज्यादा यूज होता है।

सोप फ्री क्लीनिंग

जितना हो सके साबुन का इस्तेमाल कम करें। साबुन की सफाई से ज्यादा पानी खर्च होता है। अगर आप साबुन की जगह अल्टरनेटिव यूज करेंगी तो पानी को गैर जरुरी तरीके में खर्च होने से बचा सकते हैं।

सफाई के काम की करें प्लानिंग

जब आप सफाई करें तो पहले प्लान कर लीजिए कि किन जगहों पर सामान को हटाकर खाली करना है, जो सामान पोछने के लायक हो। इन्हें आप गीले कपड़े से साफ करके हटा सकते हैं। इससे एक्स्ट्रा पानी खर्च करने की आपको जरुरत नहीं होगी।

सफाई के दौरान नल ना चलाएं

जब आप क्लीनिंग कर रहे हैं, तो सीधा तौर पर नल ना चलाएं। इसके बजाय बाल्टी में पानी लेकर काम करें। इससे पानी की बचत होगी और माता लक्ष्मी में आपसे नहीं रुठेगीं।

देवउठनी एकादशी पर गूंजेंगी शहनाइयां, नवंबर में शादी की तिथियां हैं बेहद शुभ

नवंबर का महीना भारतीय पंचांग और विवाह संस्कार के हिसाब से शादी, सगाई और मांगलिक कार्यों के लिए सबसे शुभ माना जाता है, क्योंकि इस महीने देवउठनी एकादशी जो आती है। इस बार देवउठनी एकादशी के साथ ही नवंबर और दिसंबर में शादियों की चकाचौंध देखने को मिलेगी। हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवउठनी एकादशी या प्रबोधिनी एकादशी कहा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु चार महीने की योग निद्रा से जागते हैं और इसी के साथ शादियों और मांगलिक कार्यों का शुभ समय भी शुरू हो जाता है।

इस दिन है देवउठनी एकादशी

वैदिक पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की तिथि 01 नवंबर को सुबह 09 बजकर 11 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 02 नवंबर को सुबह 07 बजकर 31 मिनट पर होगा। ऐसे में देवउठनी एकादशी 01 नवंबर को मनाई जाएगी। इस बार देवउठनी एकादशी का पारण 02 नवंबर को किया जाएगा। व्रत का पारण करने का समय 01 बजकर 11 मिनट से लेकर शाम 03 बजकर 23 मिनट तक है।

देवउठनी एकादशी का महत्व

हिंदू धर्म में यह तिथि बेहद पवित्र मानी जाती है। मान्यता है कि आषाढ़ शुक्ल एकादशी से भगवान विष्णु क्षीरसागर में योग निद्रा में चले जाते हैं, और चार माह बाद कार्तिक शुक्ल एकादशी को जागते हैं। इन चार महीनों को चातुर्मास कहा जाता है, जिसके दौरान विवाह, गृह प्रवेश, नामकरण या कोई भी शुभ कार्य नहीं किए जाते। देवउठनी एकादशी के दिन से ही फिर से शुभ कार्यों की शुरुआत होती है।

यह है विवाह के सबसे उत्तम मुहूर्त

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस साल नवंबर महीने में विवाह के सबसे उत्तम मुहूर्त 18, 22, 23, 24, 25, 29 और 30 नवंबर 2025 को रहेगा। अगले महीने सबसे उत्तम मुहूर्त 4 और 5 दिसंबर 2025 को रहेगा। फरवरी महीने में विवाह का सबसे उत्तम मुहूर्त 4, 5, 6, 7, 10, 11, 12, 13, 19, 20, 21, 24, 25, 26 तारीख को रहेंगे। पंचांग के अनुसार मार्च महीने में विवाह के लिए 4, 5, 6, 9, 10, 11, 12, 15 तारीखें सबसे उत्तम रहेंगी।

क्यों कहा जाता है इसे शुभ शुरुआत का दिन

माना जाता है कि इस दिन देवता भी जागकर मानव कल्याण के कार्यों में लगते हैं। विवाह, सगाई, गृहप्रवेश जैसे कार्यों में सफलता और सौभाग्य प्राप्त होता है। इस दिन किया गया व्रत और पूजा पापों का नाश करती है और सुख–समृद्धि देती है। देवउठनी एकादशी सिर्फ एक धार्मिक पर्व नहीं बल्कि नई शुभ शुरुआत का प्रतीक है।इस दिन से पूरे देश में शादियों, गृह प्रवेश और मांगलिक कार्यों का मौसम आरंभ होता है। भक्तिभाव से पूजा करने और सही मुहूर्त में कार्य शुरू करने से जीवन में सौभाग्य, प्रेम और समृद्धि बनी रहती है।

सर्दियों में इस तरह से करें बच्चे के बालों की केयर, नहीं होगी डैंड्रफ की समस्या

बदलते मौसम का असर बच्चे के स्वास्थ्य के साथ–साथ बालों पर भी पड़ता है। मौसम में नमी होने के कारण बाल खराब होने लगते हैं।

बालों में डैंड्रफ, रुखापन और बेजान जैसी समस्याएं होने लगती है। ऐसे में जरुरी है कि सर्दियों में पेरेंट्स बच्चे की बालों की एक्स्ट्रा केयर करें। आप सर्दियों में बच्चे को बालों को मौसमी नमी से बचाने के लिए इन आसान तरीकों इका इस्तेमाल कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में. ...

2 बार जरुर धोएं बच्चे के बाल

बच्चों के बाल बहुत ही जल्दी गंदे होने लगते हैं क्योंकि धूल के कण बच्चे के बालों और स्किन पर चिपकने लगते हैं, जिसके कारण बच्चे के बालों की त्वचा भी खराब होने लगती है। बच्चों को बालों में इंफेक्शन हो सकता है। इंफेक्शन से बालों को बचाने के लिए आप हफ्ते में दो बार बालों क जरुर धोएं। हालांकि रोज भी बच्चे के बाल न ध ोएं। इससे बाल रुखे और बेजान हो सकते हैं।

न करें ज्यादा केमिकल प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल

बच्चों के बालों में आप किसी भी केमिकल प्रोडक्ट का इस्तेमाल न करें। खासकर जो भी प्रोडक्ट आप बच्चे के बाल में लगाने वाले हैं उसे अच्छे से चेक जरुर कर ले। ज्यादा केमिकल वाले प्रोड्क्ट्स भी बच्चे के बालों को खराब कर सकते हैं। ऑर्गेनिक शैंपू का इस्तेमाल आप बच्चे के बालों में कर सकते हैं। यह शैंपू बालों के लिए हल्के होते हैं और बच्चों को इससे कोई भी समस्या नहीं होती।

खिलाएं पौष्टिक आहार

आप सर्दियों में बच्चे के झड़ते बालों की समस्या को दूर करने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन करवाएं। पालक आप बच्चे के दे सकते हैं इसमें पाया जाने वाला आयरन रक्त प्रवाह बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा आप आंवला भी बच्चे को खिला सकते हैं। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व बालों के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। यदि बच्चे आंवला नहीं खाते तो आप उन्हें कैंडी बनाकर खिला सकते हैं।

जरुर करें मसाज

बच्चे के बालों की मसाज जरुर करें। दिनभर बच्चे बाहर खेलते हैं जिसके कारण उनके स्कैल्प में इंफ्केशन हो सकता है। ऐसे में आप बालों को हैल्दी बनाने के लिए मसाज जरुर करें। बादाम तेल, नारियल तेल और आंवला तेल से आप बच्चों के बालों की मसाज कर सकते हैं।

ट्रिम करवाएं बाल

आप बच्चे का बाल सर्दियों में ट्रिम भी जरुर करवाएं। एक या दो बार बच्चे के बालों को ट्रिम जरुर करवाएं। इससे बालों का वॉल्यूम भी ज्यादा होगा और बाल टूंटेगे भी नहीं। इसके अलावा बच्चों को डैंड्रफ से भी राहत मिलेगी।

क्रॉप टॉप स्टाइलिंग के 5 ट्रेंडिंग तरीके, भीड़ में भी दिखेंगी सबसे हटके

ज्यादातर महिलाएं अपने आउटफिट को लेकर काफी परेशान रहती हैं। अगर आप भी उन्हीं महिलाओं में शामिल हैं, जो एक जैसे कपड़े पहनकर बोर हो गई हैं और कुछ यूनिक ट्राई करने का सोच रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

ज्यादातर महिलाएं अपने आउटफिट को लेकर काफी परेशान रहती हैं। क्योंकि वह एक जैसे कपड़े पहनकर बोर हो जाती हैं और कुछ नया ट्राई करने की सोचती हैं। अगर आप भी उन्हीं महिलाओं में शामिल हैं, जो एक जैसे कपड़े पहनकर बोर हो गई हैं और कुछ यूनिक ट्राई करने का सोच रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैसे आप क्रॉप टॉप के इस्तेमाल से अपने लुक को डिफरेंट बना सकती हैं।

क्रॉप टॉप के साथ कैरी करें स्कर्ट

अपने लुक को गॉर्जियस बनाने के लिए आप क्रॉप टॉप के साथ स्कर्ट कैरी कर सकती हैं। इस तरह से क्रॉप टॉप के साथ स्कर्ट पहनने से आपको यूनिक और डिफरेंट लुक मिल सकता है। इस आउटफिट के साथ एक्सेसरीज शामिल कर अपने लुक में चार चांद लगा सकती हैं।

क्रॉप टॉप और शॉर्ट्स

आप क्रॉप टॉप के साथ शार्ट्स भी कैरी कर सकती हैं। इस तरह से आपको डिफरेंट और गॉर्जियस लुक मिलेगा। आप इसके साथ श्रग को भी शामिल कर सकती हैं। इस तरह के आउटफिट को आप ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन भी खरीद सकती हैं। क्रॉप टॉप और शॉर्ट्स के साथ मैचिंग एक्सेसरीज शामिल कर अपने लुक को एलीगेंट टच दे सकती हैं।

क्रॉप टॉप के साथ कैरी करें स्लिट कट स्कर्ट

अपने लुक को डिफरेंट बनाने के लिए आप क्रॉप टॉप के साथ स्लिट कट स्कर्ट पहन सकती हैं। इस तरह की स्कर्ट आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देगी और इससे आपको यूनिक लुक भी मिलेगा। आप किसी ट्रिप के दौरान भी यह आउटफिट पहन सकती हैं। यह आपके लुक की खूबसूरती बढ़ाने के साथ आपको एलिगेंट टच देने का काम करेगी।

क्रॉप टॉप और जींस

आप अपनी खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए किसी भी क्रॉप टॉप के साथ जींस कैरी कर सकती हैं। ऐसे में आपका लुक खास लगेगा। वहीं आउटफिट को बेहतर बनाने के लिए आप फुटवियर में हील्स या फिर शूज कैरी कर सकती हैं। आप प्लाजो के साथ क्रॉप टॉप भी पहन सकती हैं। इसे आप ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों जगहों से खरीद सकती हैं।

संक्षिप्त

वायदा बाजार में सोने का भाव 1,27,500 प्रति 10 ग्राम के रिकश्वर्ड स्तर पर

मजबूत हाजिर मांग के बीच सटोरियों के ताजा सौदों से वायदा कारोबार में सोने का भाव बुधवार को 1,27,500 प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। विश्लेषकों का कहना है कि भू–राजनीतिक और व्यापारिक चिंताओं के कारण वैश्विक आर्थिक परिदृश्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने के बाद व्यापारी सुरक्षित निवेश वाली परिसंपत्तियों की ओर आकर्षित हुए हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में दिसंबर में आपूर्ति वाले अनुबंधों के सोने का भाव 1,244, रुपये या 0.98 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,27,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। फरवरी 2026 में आपूर्ति वाले सोने के अनुबंधों की कीमत 943 रुपये यानी 0.73 प्रतिशत चढ़कर 1,28,435 प्रति 10 ग्राम के अब तक के उच्च स्तर पर पहुंच गई। इस बीच चांदी में भी तेजी देखी गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में दिसंबर में आपूर्ति वाले चांदी के वायदा अनुबंधों की कीमत 1,256 रुपये या 0.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,60,760 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। मंगलवार को चांदी 1,62,700 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। इसी तरह, मार्च 2026 में आपूर्ति वाले चांदी के वायदा अनुबंधों की कीमत 940 रुपये या 0.59 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,60,522 रुपये प्रति किलोग्राम रही। पिछले बाजार सत्र में यह 1,63,549 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। वैश्विक स्तर पर भी सोना व चांदी की कीमतें नए उच्च स्तर पर पहुंची। दिसंबर में आपूर्ति वाले कॉमेक्स सोने का वायदा भाव करीब दो प्रतिशत चढ़कर रिकॉर्ड 4,211 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। दूसरी ओर चांदी की कीमत 1.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 51.27 डॉलर प्रति औंस रही। मंगलवार को यह 52.49 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 1100 करोड़ रुपये की आवासीय परियोजना के लिए बेंगलुरु में 26 एकड़ जमीन का किया अधिग्रहण

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 1,100 करोड़ रुपये के अनुमानित राजस्व वाली एक आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए बेंगलुरु में 26 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के सबसे बड़े डेवलपर में से एक है। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने दक्षिण बेंगलुरु में सरजापुर रोड के पास 26 एकड़ के एक प्रमुख भूखंड का अधिग्रहण किया है।

इसमें कहा गया, '' कंपनी इस जमीन पर एक प्रीमियम आवासीय परियोजना विकसित करने की योजना बना रही है, जिसकी अनुमानित राजस्व क्षमता लगभग 1,100 करोड़ रुपये है।'' गोदरेज प्रॉपर्टीज ने विक्रेता का नाम या सौदे की कीमत का उल्लेख नहीं किया। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौरव पांडे ने कहा, '' जैसे–जैसे बेंगलुरु भारत के सबसे गतिशील रियल एस्टेट बाजारों में से एक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है, सरजापुर रोड गलियारा शहर के विकसित होते शहरी ढांचे में एक प्रमुख विकास केंद्र के रूप में उभर रहा है। इस सूक्ष्म बाजार में हमारी हालिया परियोजनाओं का मजबूत प्रदर्शन मांग की गहराई और ग्राहकों के हमारे ब्रांड पर भरोसे को दर्शाता है।'' गोदरेज प्रॉपर्टीज की मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), पुणे, बेंगलुरु और हैदराबाद में महत्वपूर्ण उपस्थिति है।

रुपया शुरुआती कारोबार में 88 पैसे चढ़कर 87.93 प्रति डॉलर पर

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में अपने सर्वकालिक निचले स्तर से 88 पैसे चढ़कर 87.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से हस्तक्षेप की खबरों से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.74 पर खुला। फिर तेजी पकड़ते हुए 87.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया,

जो पिछले बंद भाव से 88 पैसे की बढ़त दर्शाता है। हालांकि बाद में यह अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 88.33 पर कारोबार करने लगा। रुपया मंगलवार को अमेरिका डॉलर के मुकाबले 88.81 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.85 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी देखी गई और सेंसेक्स 354.57 अंक चढ़कर 82,384.55 अंक पर जबकि निफ्टी 109.55 अंक की बढ़त के साथ 25,255.05 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62.12 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,508.53 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

`कपड़े नहीं थे, शादी में नहीं बुलाया जाता था', बीच इंटरव्यू में रो पड़ी विश्वकप की यह स्टार खिलाड़ी

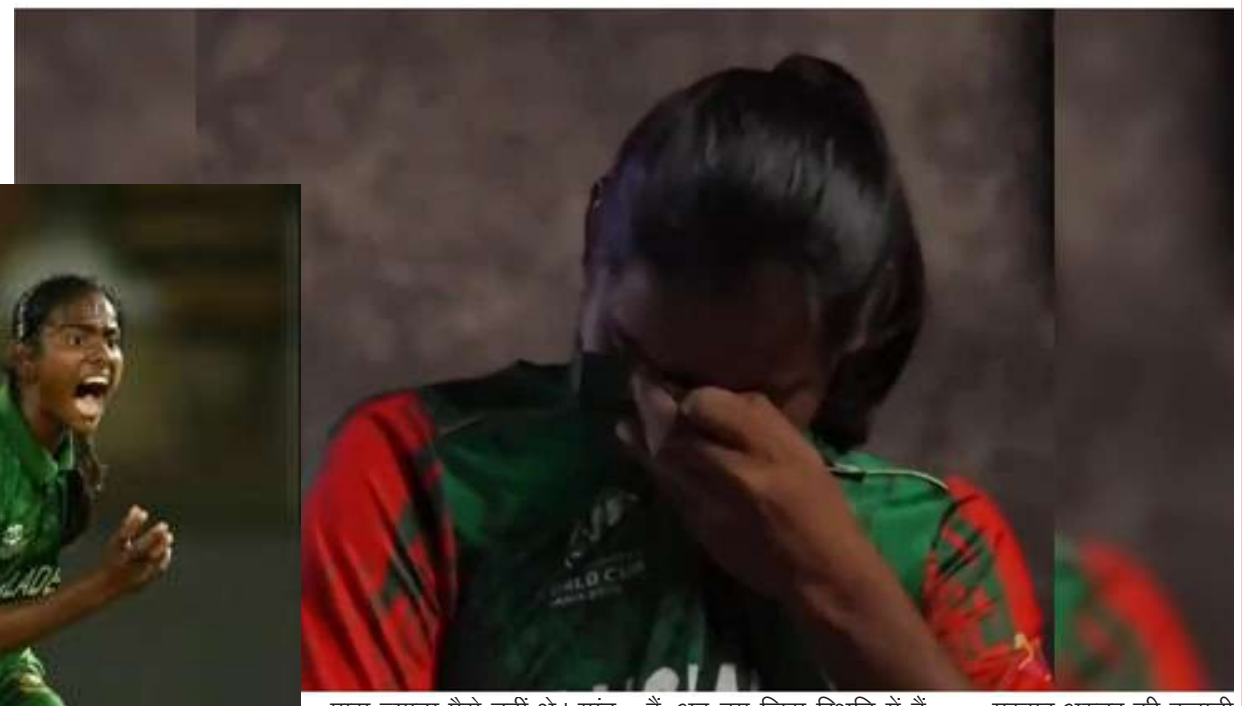

नई दिल्ली। बांग्लादेश की युवा तेज गेंदबाज मरूफा अख्तर ने महिला विश्व कप में अपने पहले ही मैच में सबका ध्यान खींच लिया। 20 साल की इस तेज गेंदबाज ने अपने डेब्यू मैच में सात ओवर में सिर्फ 31 रन देकर दो विकेट हासिल किए और पाकिस्तान को 129 रनों पर रोक दिया। उनकी शानदार गेंदबाजी के दम पर बांग्लादेश ने यह मैच सात विकेट से जीता और मरूफा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

क्रिकेट विशेषज्ञों ने की तारीफ

मरूफा की स्विंग कराने की कला ने उन्हें महिला क्रिकेट में एक उभरता हुआ सुपरस्टार बना दिया है। कई क्रिकेट विशेषज्ञ उन्हें दक्षिण एशिया की सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाजी प्रतिभा मान रहे हैं, लेकिन मरूफा की यह सफलता रातोंरात नहीं आई। उनके पीछे एक ऐसी संघर्ष भरी कहानी छिपी है जो लाखों लड़कियों के लिए प्रेरणा बन सकती है।

कपड़े नहीं थे, इसलिए शादी में नहीं बुलाते थे

मरूफा ने एक इंटरव्यू में अपनी पुरानी यादें साझा करते हुए भावुक होकर कहा, श्लोग हमें शादी या किसी भी समारोह में नहीं बुलाते थे। कहते थे कि हमारे पास ढंग के कपड़े नहीं हैं। अगर हम जाएंगे तो उनके सम्मान को ठेस पहुंचेगी। यह कहते कहते मरूफा की आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने आगे कहा, कभी–कभी तो ईद पर नए कपड़े खरीदने के पैसे भी नहीं होते थे।

पिता किसान, गांव से नहीं मिला सहयोग

उन्होंने आगे बताया कि उनके पिता एक किसान हैं और घर की आर्थिक स्थिति बेहद खराब थी। मरूफा ने कहा, श्हमारे पास ज्यादा पैसे नहीं थे। गांव के लोग भी हमारी क्रिकेट खेलने की इच्छा को समर्थन नहीं देते थे। उन्होंने हमेशा हतोत्साहित किया।श इन मुश्किल हालातों में भी मरूफा ने हार नहीं मानी और लगातार अभ्यास करती रहीं। उनका जज्बा और मेहनत उन्हें आखिरकार बांग्लादेश टीम तक ले आया।

अब परिवार की शान बनीं मरूफा

आज मरूफा अख्तर न सिर्फ अपने परिवार बल्कि पूरे देश का गौरव हैं। वह गर्व से कहती हैं, अब हम जिस स्थिति में हैं, वहां तक बहुत लोग नहीं पहुंच पाते। मैं अपने परिवार की मदद कर रही हूं। शायद बहुत से लड़के भी ऐसा नहीं कर पाते। इससे मुझे एक अलग तरह की शांति और गर्व मिलता है।श वह कहती हैं, श्बचपन में मैं सोचती थी कि कब लोग हमें देखेंगे और हमारी तारीफ करेंगे। अब जब मैं खुद को टीवी पर देखती हूं, तो थोड़ा शर्म आती है (हंसते हुए)।

संघर्ष से सफलता तक की कहानी

मरूफा अख्तर की कहानी सिर्फ एक क्रिकेटर की सफलता की नहीं, बल्कि संघर्ष, आत्मविश्वास और परिवार के प्रति समर्पण की कहानी है। गरीबी और समाज की उपेक्षा के बावजूद उन्होंने दिखाया कि सपने देखने वाले कभी हार नहीं मानते। आज मरूफा न सिर्फ बांग्लादेश क्रिकेट की नई पहचान हैं, बल्कि उन सभी लड़कियों के लिए प्रेरणा हैं जो मुश्किल हालातों के बावजूद कुछ बड़ा करने का सपना देखती हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरा रोहित और कोहली की होगी आखिरी सीरीज ? बीसीसीआई उपाध्यक्ष शुक्ला ने दिया जवाब

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास पर बड़ा बयान दिया है। रोहित और कोहली 19 अक्तूबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं। रोहित और कोहली के बारे में अटकलें चल रही हैं कि ऑस्ट्रेलिया दौरा इन दोनों बल्लेबाजों की आखिरी सीरीज हो सकती है, लेकिन राजीव शुक्ला ने इस खबरों को खारिज कर दिया है।

रोहित की जगह गिल को सौंपी गई कमान

रोहित से हाल ही में वनडे कप्तान छीनी गई थी और उनकी जगह शुभमन गिल को कप्तान बनाया गया था। रोहित और कोहली ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले दिल्ली पहुंच गए हैं जहां वे टीम के साथ जुड़ेंगे। बीसीसीआई उपाध्यक्ष शुक्ला ने एएनआई से कहा, रोहित और कोहली का वनडे टीम में होना हमारे लिए फायदेमंद है क्योंकि दोनों ही महान बल्लेबाज हैं। रोहित और कोहली के होने से मुझे लगता है कि हम ऑस्ट्रेलिया को हराने में सफल रहेंगे। शुक्ला ने कहा, और जहां तक इस दौरा के उनके आखिरी होने की बात है, तो ऐसा कुछ नहीं है। हमें इन बातों में कभी नहीं पड़ना चाहिए। यह खिलाड़ियों पर निर्भर करता है कि वे कब संन्यास लेंगे। यह कहना कि यह उनकी आखिरी सीरीज होगी, बिल्कुल गलत है। रोहित और कोहली अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब सिर्फ वनडे प्रारूप में खेलते है। यह देखना बाकी है कि क्या वे भारत की दीर्घकालिक योजनाओं में फिट बैठते हैं, क्योंकि अगला वनडे विश्व कप अभी दो साल दूर है।

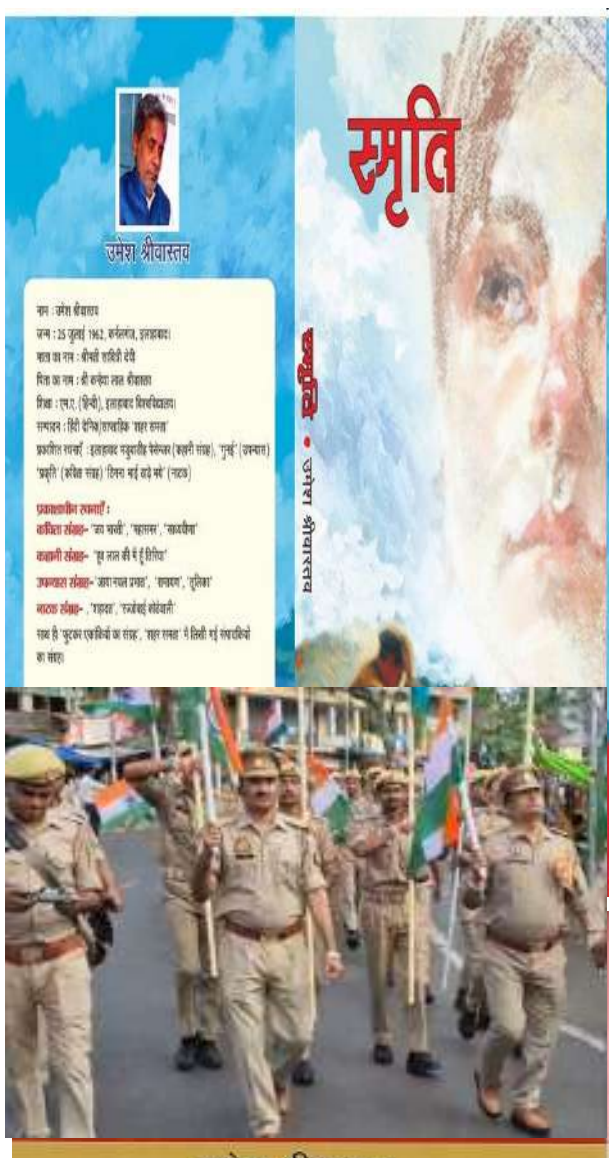

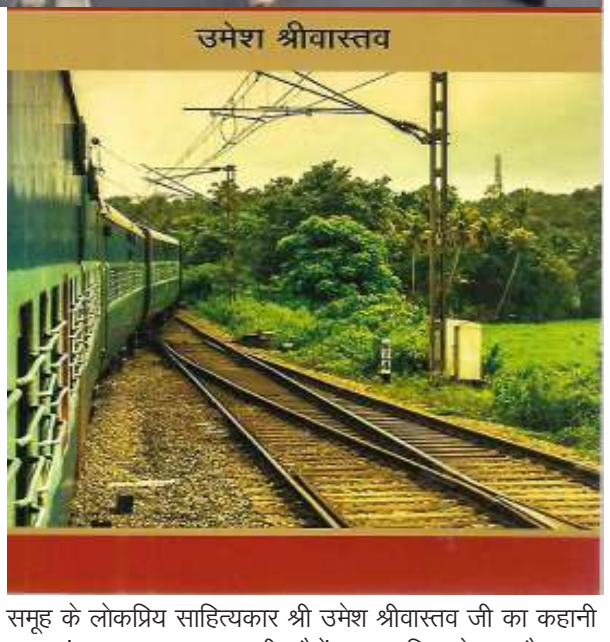

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

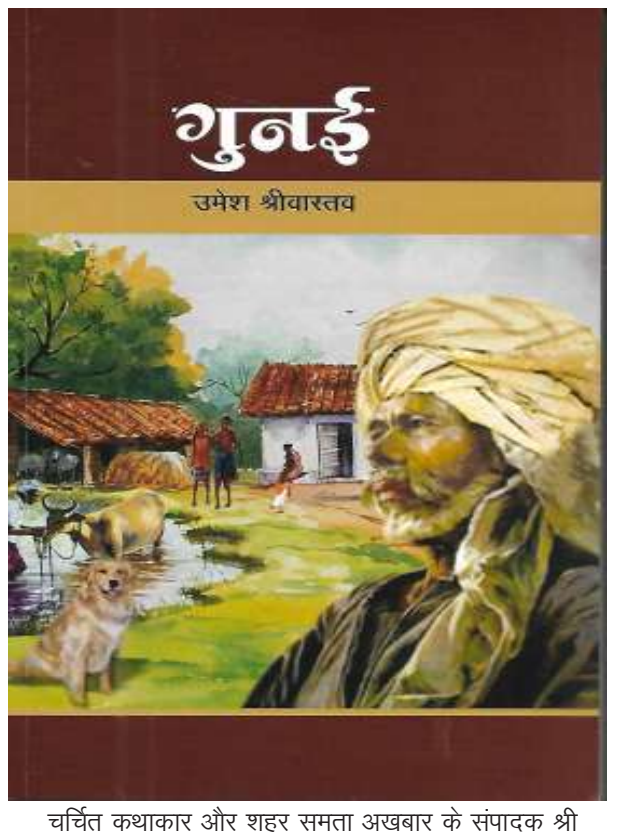

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

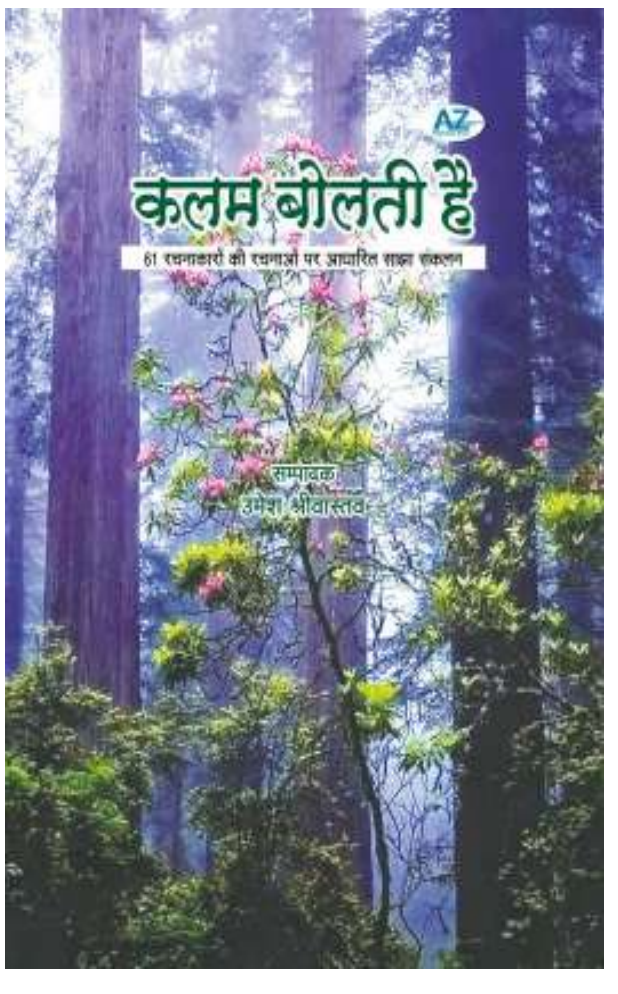

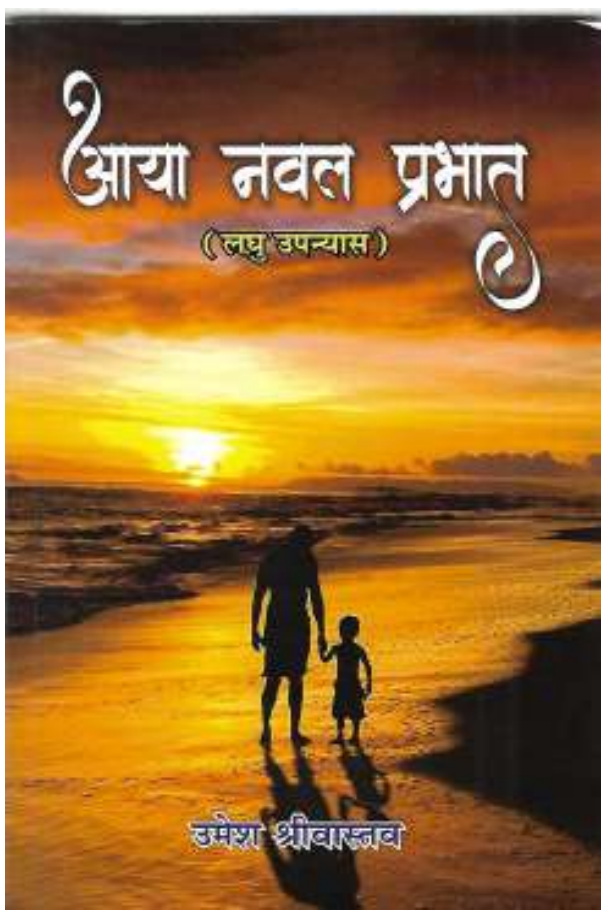

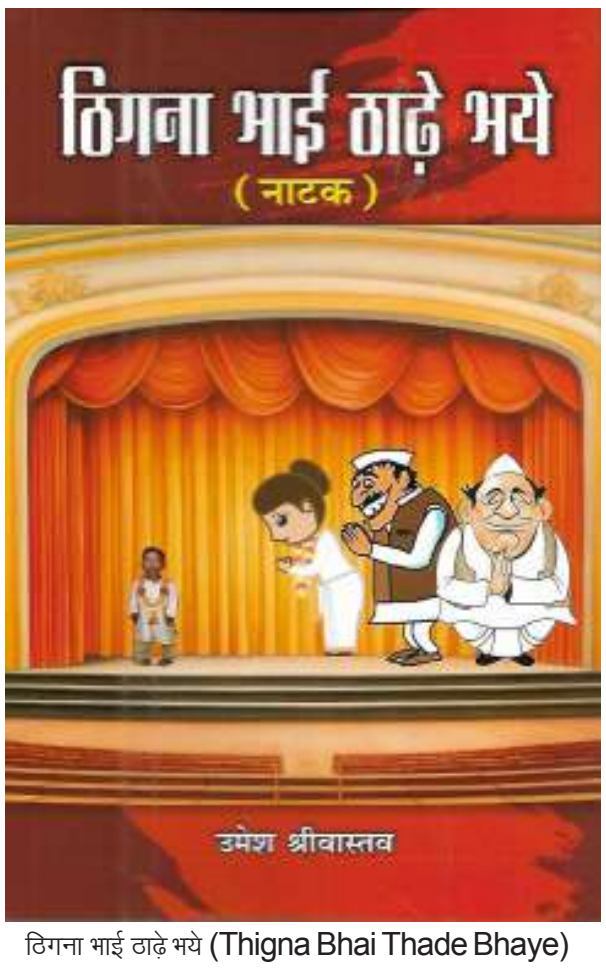

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप ने ब्रिक्स को अमेरिकी डॉलर पर ''हमला'' करार दिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स को अमेरिकी डॉलर पर ''हमला'' करार दिया और दावा किया कि उन्होंने ब्रिक्स में शामिल होने को इच्छुक देशों को शुल्क लगाने की धमकी दी जिसके बाद ''वे पीछे हट गए।'' ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। ट्रंप अक्सर इस समूह पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी देते रहे हैं क्योंकि वे इसे ''अमेरिका–विरोधी'' नीति करार देते हैं। ब्रिक्स देशों ने

उन एकतरफा शुल्क और गैर–शुल्क उपायों के बढ़ने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है जो व्यापार को बाधित करते हैं। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के साथ द्विपक्षीय बैठक में मंगलवार को ट्रंप ने कहा कि डॉलर को लेकर उनका रुख बेहद कड़ा है और ''जो कोई भी डॉलर में लेन–देन करना चाहता है'' उसे उन लोगों की तुलना में ''लाभ'' होगा जो ऐसा नहीं करना चाहते। उन्होंने दावा किया, '' ...मैंने उन सभी से कहा जो ब्रिक्स में शामिल होना चाहते हैं.. ठीक है लेकिन हम आपके देश पर शुल्क लगाएंगे। हर कोई पीछे हट गया। वे सभी ब्रिक्स से दूर हो गए। ब्रिक्स, डॉलर पर हमला है।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने संभावित सदस्यों से कहा कि यदि वे '' ऐसा करना चाहते हैं, तो मैं अमेरिका में आने वाले आपके सभी उत्पादों पर शुल्क लगा दूंगा।'' ब्रिक्स देशों ने शुल्क में ''अंधाधुंध वृद्धि'' के रूप में व्यापार–प्रतिबंधात्मक कार्रवाइयों को बढ़ावा देने पर पिछले महीने चिंता व्यक्त की थी। ट्रंप प्रशासन ने इस साल कई देशों पर शुल्क लगाए हैं। भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा हुआ है।

चीनी स्कूल में हिंदी की पढ़ाई, राजदूत ने शिक्षिका को किया सम्मानित

चीन में स्कूल स्तर पर पहली बार हिंदी की औपचारिक पढ़ाई शुरू हुई है। इस पहल के शुरू होने पर चीन में भारत के राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर के साथ मिलकर ब्रिटानिका इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की शिक्षिका भव्या मेहता का सम्मान किया। भव्या मेहता कीर्ति चक्र विजेता ब्रिगेडियर रवि दत्त मेहता की बेटी हैं। यह पहल विश्वविद्यालय कार्यक्रमों से परे हिंदी की पहुंच का विस्तार करती है।

चीन का द. कोरियाई कंपनी की 5 अमेरिकी इकाइयों पर प्रतिबंध

चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने दक्षिण कोरियाई जहाज विनिर्माता हनव्हा ओशन की 5 इकाइयों से चीनी कंपनियों के लेनदेन पर रोक लगा दी है। मंत्रालय ने कहा, वह विश्व जहाज विनिर्माण में चीन के बढ़ते प्रभुत्व की अमेरिका द्वारा की जा रही जांच की तहकीकात कर रहा है। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के जहाजों पर नए बंदरगाह शुल्क लगाए हैं।

ब्रिटेन में अब वीजा आवेदकों के लिए कठिन होगी परीक्षा

सरकार ने भारत सहित अन्य देशों के वीजा आवेदकों के लिए अंग्रेजी भाषा की अनिवार्य परीक्षा को मंगलवार को और कठिन बनाने की शर्तें पेश कीं। ब्रिटेन में बढ़ते आव्रजन पर कार्रवाई के तहत संसद में यह प्रस्ताव रखा गया। अंग्रेजी की यह नई परीक्षा ब्रिटेन के गृह विभाग की तरफ से आयोजित होगी। आठ जनवरी, 2026 से सभी कुशल श्रमिकों के लिए आगामी वीजा आवेदन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में परिणामों का सत्यापन किया जाएगा। वीजा आवेदक का अंग्रेजी बोलने, सुनने, पढ़ने और लिखने का स्तर ए–लेवल अथवा 12वीं कक्षा के समकक्ष होना चाहिए, जिसे लेवल बी–2 कहा जाता है।

केन्या के पूर्व प्रधानमंत्री रैला ओडिंगा का केरल में हृदय गति रुकने से निधन

केन्या के पूर्व प्रधानमंत्री रैला ओडिंगा, जो आयुर्वेदिक उपचार के लिए केरल के एर्नाकुलम जिले के कूथाट्टुकुलम आए थे, का बुधवार को हृदय गति रुकने से निधन हो गया। पुलिस और अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आयुर्वेदिक नेत्र अस्पताल के एक प्रवक्ता ने बताया कि ओडिंगा सुबह की सैर के दौरान आयुर्वेदिक अस्पताल परिसर में बेहोश हो गए और उन्हें कूथाट्टुकुलम के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ सुबह लगभग 9.52 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि उनका पार्थिव शरीर फिलहाल अस्पताल में रखा हुआ है। प्रवक्ता ने बताया कि ओडिंगा और उनका परिवार अस्पताल आते–जाते रहे थे, जिसने पहले उनकी बेटी की आंखों की रोशनी वापस पाने में मदद की थी।

खैबर पख्तूनख्वा में पोलियो टीम की सुरक्षा कर रहे पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को अज्ञात हमलावरों ने पोलियो–रोधी टीकाकरण दल की सुरक्षा कर रहे एक पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि नौशेरा जिले के निजामपुर के काहाई गांव में पोलियो रोधी टीकाकरण दल को निशाना बनाया गया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

पहले सेना का पोस्ट उड़ाया, फिर पाकिस्तान का टैंक ले उड़े तालिबानी

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच झगड़े की नई तस्वीरों ने दुनिया को हिला कर रख दिया है। जहां पर पाकिस्तानी सैनिकों के खिलाफ अफगान प्रशासन के तालिबानी लड़ाके हावी होते हुए दिखाई दे रहे हैं। अफगानिस्तान में तालिबानी सरकार के प्रवक्ता जबीबुल्लाह मुजाहिद ने दो वीडियो जारी किए हैं। इन दो वीडियो में भीषण गोलीबारी और एक वीडियो में पाकिस्तानी टैंक पर तालिबानी लड़ाके सवार होकर उसे चलाते नजर आ रहे हैं। वीडियो के पीछे से आवाज आ रही है कि देखो ये तालिबानी लड़ाके पाकिस्तान टैंक चला रहे हैं। इस पूरे मामले में जबीउल्लाह मुजाहिद ने सबसे नई जानकारी दी है, उसमें कहा है कि एक बार फिर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से 15 अक्टूबर की सुबह पाकिस्तान

के जवानों ने अफगानिस्तान पर लाइट और हेवी वेपन्स के साथ कंधार रेंज के स्पिन बोल्डक जिले में हमला किया। इस हमले के कारण 12 आम नागरिक की मौत हो गई और 100 से अधिक घायल हो गए। इसके बाद अफगानी सेना ने भी इसका पूरी ताकत के साथ जवाब दिया। जबीबुल्लाह मुजाहिद का दावा है कि इस ताकतवर बदले की कार्यवाही के दौरान बड़ी संख्या में घुसपैठ की कोशिश कर रहे पाकिस्तानी सैनिक में मारे गए। इसके अलावा मुजाहिद ने कहा कि उनके पोस्ट और सेंटर्स पर तालिबानी लड़ाकों का कब्जा हो चुका है। इसके अलावा उनके हथियार और टैंक को भी तालिबान के लोगों ने सीज कर लिया है। उन्होंने कहा है कि वहां मौजूद जितनी भी पाकिस्तान की सेना का इंफ्रास्ट्रक्चर था उसे भी पूरी तरह से तबाह कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि इस पूरे झगड़े के कुछ ही देर बाद इस पूरे मामले पर काबू कर लिया गया। लेकिन जबीबुल्लाह मुजाहिद ने ये भी दावा किया है कि अफगानिस्तान डिफेंस फोर्स के मुजाहिद्दीन इस वक्त पूरी तरह से अपनी जमीन की सुरक्षा करने के लिए तैयार हैं और दुश्मनों को ढेर करने के लिए तैयार हैं। कुछ विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान तालिबान के साथ एक नया सामान्य स्थापित करने की कोशिश कर रहा है, यह स्पष्ट करके कि उसकी धरती पर भविष्य में होने वाले हमले अफ़ग़ानिस्तान के अंदर बदले की कार्रवाई को आमंत्रित कर सकते हैं। यह रुख भारत की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा अप्रैल में पाकिस्तान के खिलाफ अपनाए गए रुख को दर्शाता है, जिसका उस समय इस्लामाबाद ने विरोध किया था। भारत ने मई में पाकिस्तानी क्षेत्र में हमले किए, जिसके परिणामस्वरूप चार दिनों तक संघर्ष चला, जिसमें दोनों पक्षों ने एक–दूसरे पर मिसाइलों, ड्रोन और तोपखाने का इस्तेमाल किया। विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच यह बदलता परिदृश्य बताता है कि सप्ताहांत में लड़ाई भले ही कम हो गई हो, लेकिन आने वाले हफ़्तों में तनाव बढ़ने की संभावना है और कोई स्थायी समाधान अभी भी दूर की कौड़ी बना हुआ है। अफ़ग़ानिस्तान से कथित तौर पर सक्रिय विभिन्न सशस्त्र समूहों में से पाकिस्तानी अधिकारी तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को सबसे बड़ा ख़तरा मानते हैं।

अफगान सैनिकों की उकसावे वाली फायरिंग, पाकिस्तान का पलटवार, कई चौकियों को नुकसान

जैसे ही ऐसा लग रहा था कि इज़राइल और हमास के बीच लड़ाई कम हो रही है, एक नया संघर्ष छिड़ गया – इस बार, सप्ताहांत में अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान के बीच।अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तानी सैनिकों के बीच 2,600 किलोमीटर लंबी डूरंड रेखा पर कई जगहों पर घातक गोलीबारी हुई है। दोनों पक्षों ने हाल के वर्षों में हुए सबसे भीषण सीमा संघर्षों में से एक में सीमा चौकियों पर कब्ज़ा करने और उन्हें नष्ट करने का दावा किया है। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, मंगलवार रात खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में सीमा पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और अफगान तालिबान के बीच ताज़ा झड़पें हुईं।पाकिस्तान के सरकारी मीडिया ने बिना उकसावे के पहली गोलीबारी के लिए अफगान बलों को ज़िम्मेदार ठहराया और कहा कि पाकिस्तानी सैनिकों ने जवाबी गोलीबारी की और कई अफगान टैंकों और चौकियों को नुकसान पहुँचाया। दो पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों ने एपी को इस घटना की पुष्टि की। सरकारी प्रसारक पीटीवी न्यूज़ के अनुसार,

ष्अफगान तालिबान और फितना अल–खवारिज ने कुर्रम में बिना उकसावे के गोलीबारी की। पाकिस्तानी सेना ने पूरी ताकत और तीव्रता से जवाब दिया।ष

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के सैनिकों के बीच उत्तर–पश्चिमी सीमा क्षेत्र में फिर गोलीबारी

पाकिस्तान की सरकारी मीडिया ने अपनी खबर में अफगानिस्तान के सैनिकों पर ''बिना उकसावे के गोलीबारी'' करने का आरोप लगाया और कहा कि गोलीबारी के बाद जवाबी कार्रवाई की गई। 'पाकिस्तान टीवी' में प्रसारित खबर और दो सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार पाकिस्तानी सेना ने जवाबी कार्रवाई की जिससे अफगान टैंकों और सैन्य चौकियों को नुकसान पहुंचा। अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत के पुलिस उप प्रवक्ता ताहिर अहरार ने झड़पों की पुष्टि की लेकिन कोई और जानकारी नहीं दी। इस सप्ताह दोनों ओर से गोलीबारी की यह दूसरी घटना है। पाकिस्तान की सरकारी मीडिया के अनुसार अफगानिस्तान की सेना और पाकिस्तानी तालिबान ने संयुक्त रूप से ''बिना उकसावे के'' एक पाकिस्तानी चौकी पर गोलीबारी की जिसके बाद खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम ज़िले में पाकिस्तानी सैनिकों ने करार जवाब दिया। सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने पाकिस्तानी तालिबान के एक विशाल प्रशिक्षण केंद्र को भी नष्ट कर दिया। पाकिस्तानी सेना ने फिलहाल इस घटना पर टिप्पणी नहीं की है। शनिवार को दोनों पक्षों के बीच कई सीमावर्ती क्षेत्रों में गोलीबारी हुई थी जिससे दोनों पक्षों के दर्जनों लोग हताहत हुए थे। इसके बाद से ही सेना अलर्ट पर है। हालांकि सऊदी अरब और कतर की अपील के बाद रविवार को झड़पें रुक गईं थीं लेकिन पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच सभी सीमाएं बंद हैं।

टीटीपी की मौजूदगी को लेकर लंबे समय से तनाव

पाकिस्तान ने पहले भी तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान या टीटीपी के ठिकानों पर सीमा पार हमले करने की बात स्वीकार की है। टीटीपी अफ़ग़ान तालिबान से अलग लेकिन उससे घनिष्ठ रूप से जुड़ा एक समूह है। इस्लामाबाद, अफ़ग़ानिस्तान की ज़मीन से इस समूह को स्वतंत्र रूप से काम करने देने के लिए काबुल पर आरोप लगाता है। हालाँकि, काबुल इन आरोपों से इनकार करता है और ज़ोर देकर कहता है कि अफ़ग़ानिस्तान की धरती का इस्तेमाल किसी भी पड़ोसी देश के ख़िलाफ़ नहीं किया जा रहा है।

भारत–तालिबान संबंधों में नया मोड़: मुत्ताकी की यात्रा से खुले कूटनीतिक द्वार

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री और तालिबान प्रशासन के वरिष्ठ नेता आमिर खान मुत्ताकी इन दिनों भारत के दौरे पर हैं। यह तालिबान सरकार का भारत में पहला आधिकारिक दौरा है, जिसे कूटनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है। बता दें कि अगस्त 2021 में अमेरिका की अफगानिस्तान से वापसी के बाद तालिबान ने काबुल पर कब्जा कर लिया था, जिसके बाद भारत ने अपनी राजधानी काबुल स्थित दूतावास बंद कर दिया था और अपने सभी राजनयिकों को वापस बुला लिया था। गौरतलब है कि चार साल बाद भारत ने तालिबान प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए रिश्तों में नई शुरुआत का संकेत दिया है। मौजूद जानकारी के अनुसार, मुत्ताकी ने नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की,

जिसमें भारत ने काबुल में अपना दूतावास फिर से खोलने की घोषणा की है। दोनों देशों ने साझा बयान जारी करते हुए आपसी सहयोग बढ़ाने, व्यापार को प्रोत्साहित करने और क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करने की बात कही है। मुत्ताकी ने भारत को "करीबी दोस्त" बताते हुए भारतीय कंपनियों को अफगानिस्तान के खनन क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया है। इस बीच, उन्होंने ऐलान किया कि जल्द ही काबुल और भारत के प्रमुख शहरों जैसे अमृतसर के बीच सीधी उड़ानें शुरू की जाएंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने मुत्ताकी के दौरे में उनके लिए उत्तर प्रदेश के देवबंद स्थित दारुल उलूम जाने की भी व्यवस्था की है, जो दक्षिण एशिया का एक प्रमुख इस्लामी शिक्षा केंद्र है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत का यह कदम व्यावहारिक नीति का हिस्सा है, जिसके जरिए वह पाकिस्तान के प्रभाव को कम करने और अफगानिस्तान के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। बता दें कि पाकिस्तान और तालिबान के बीच हाल के वर्षों में रिश्ते तनावपूर्ण रहे हैं, खासकर सीमा पार हमलों को लेकर। इस बदले हुए क्षेत्रीय समीकरण में भारत ने तालिबान से संवाद बढ़ाने को अहम रणनीतिक फैसला माना है। भारत ने अपने साझा बयान में तालिबान द्वारा आतंकवाद की निंदा और भारत के खिलाफ अफगान भूमि के इस्तेमाल न होने की वादे की सराहना की है। वहीं मुत्ताकी के लिए यह दौरा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैधता पाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। भारत के साथ गहरे संबंध तालिबान के लिए न सिर्फ आर्थिक बल्कि कूटनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं, क्योंकि भारत लंबे समय से अफगानिस्तान में शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास परियोजनाओं में सहयोग करता रहा है। कुल मिलाकर, यह मुलाकात दक्षिण एशिया की राजनीति में एक नए दौर की शुरुआत मानी जा रही है, जहां भारत और तालिबान दोनों अपने हितों को साधते हुए व्यावहारिक संबंधों की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

अमेरिका में गोपनीय जानकारी लीक करने पर भारतवंशी गिरफ्तार, चीनी अधिकारियों से मुलाकात का आरोप

भारतीय मूल के रणनीतिक विशेषज्ञ एश्ले टेलिस को अमेरिका में अति गोपनीय फाइलों के मामले में गिरफ्तार किया गया। इस सप्ताह खुली अदालती फाइलों के अनुसार, भारतीय मूल के एक प्रमुख अमेरिकी विश्लेषक और दक्षिण एशिया नीति पर लंबे समय से सलाहकार रहे एश्ले टेलिस को कथित तौर पर गोपनीय दस्तावेज जमा करने और चीनी सरकारी अधिकारियों से मिलने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। न्याय विभाग ने कहा कि 64 वर्षीय एश्ले टेलिस ने राष्ट्रीय रक्षा संबंधी जानकारी गैरकानूनी तरीके से अपने पास रखी, जिसमें वर्जीनिया के विएना स्थित उनके घर से मिले एक हज़ार से ज़्यादा पृष्ठों के अति गोपनीय और गुप्त दस्तावेज शामिल हैं। कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल

पीस में वरिष्ठ फेलो और रणनीतिक मामलों के लिए टाटा चेयर, 64 वर्षीय टेलिस को प्रतिबंधित सरकारी सामग्री के उनके संचालन की संघीय जाँच के बाद सप्ताहांत में हिरासत में ले लिया गया। अभियोजकों का आरोप है कि टेलिस ने 18 यूएससी ¸ 793(म) का उल्लंघन किया, जो रक्षा संबंधी दस्तावेजों के अनधिकृत कब्जे या रखने पर रोक लगाता है।जांचकर्ता टेलिस द्वारा सुरक्षित स्थानों से गोपनीय दस्तावेज हटाने और चीनी अधिकारियों से मिलने के आरोपों की भी जाँच कर रहे हैं। अमेरिकी अटॉर्नी लिंडसे हॉलिगन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में आरोपों की घोषणा करते हुए कहा कि कथित आचरण ष्हमारे नागरिकों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतराष है। अगर दोषी ठहराया जाता है, तो टेलिस को 10 साल तक की जेल, 250,000 डॉलर का जुर्माना और संबंधित सामग्री जब्त हो सकती है। सरकार ने ज़ोर देकर कहा कि शिकायत एक आरोप है और दोषी साबित होने तक टेलिस को निर्दोष माना जाएगा।

एशले टेलिस कौन हैं?

2001 में अमेरिकी सरकार में शामिल हुए एक अनुभवी नीति रणनीतिकार, टेलिस ने भारत और दक्षिण एशिया पर रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक, दोनों प्रशासनों को सलाह दी है। उनकी गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब ट्रम्प प्रशासन और राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने वर्गीकृत सामग्री के दुरुपयोग पर कड़ा रुख अपनाया है और षबिना किसी अपवाद केष अपराधियों पर मुकदमा चलाने का वादा किया है। मुंबई में जन्मे टेलिस ने शिकागो विश्वविद्यालय से पीएचडी करने से पहले सेंट जेवियर्स कॉलेज से पढ़ाई की। उन्होंने शिकागो विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में एमए भी किया है। वर्षों से, टेलिस अमेरिका–भारत–चीन नीतिगत क्षेत्र में एक स्थायी व्यक्ति बन गए थे – पैनल में एक जाना–पहचाना चेहरा और एक सम्मानित आवाज़, जिनके लेखन पर वाशिंगटन, नई दिल्ली और बीजिंग, दोनों जगह बारीकी से नज़र रखी जाती थी।

राष्ट्रीय सुरक्षा का कथित उल्लंघन

अदालती रिकॉर्ड में आरोप लगाया गया है कि टेलिस ने सितंबर और अक्टूबर 2025 में रक्षा और विदेश विभाग, दोनों की इमारतों से गोपनीय सामग्री तक पहुँच बनाई, उसे छापा और हटाया। निगरानी फुटेज में कथित तौर पर उन्हें अमेरिकी सैन्य विमानों की क्षमताओं से संबंधित गोपनीय फाइलें छापने के बाद एक चमड़े के ब्रीफकेस के साथ एक प्रतिष्ठान से बाहर निकलते हुए दिखाया गया था। 11 अक्टूबर को जारी किए गए एक तलाशी वारंट में उनके घर में कई जगहों पर रखे गए गुप्त कागजात मिले – जिनमें बंद फाइलिंग कैबिनेट, उनके बेसमेंट कार्यालय में एक डेस्क और एक भंडारण कक्ष में काले कचरे के थैले भी शामिल थे। जांचकर्ताओं का कहना है कि टेलिस ने तलाशी के दौरान सहयोग किया, अपने फिंगरप्रिंट से एक लैपटॉप खोला और फाइलिंग कैबिनेट की चाबियाँ दीं। एफबीआई के हलफनामे के अनुसार, टेलिस के पास अपनी सरकारी भूमिकाओं के कारण संवेदनशील सूचना तक पहुँच के साथ एक अति गोपनीय सुरक्षा मंजूरी थी।

चीनी अधिकारियों से मुलाक़ात

यह मामला इसलिए और ज़्यादा ध्यान आकर्षित कर रहा है क्योंकि टेलिस ने कथित तौर पर हाल के वर्षों में कई बार चीनी सरकारी अधिकारियों से मुलाक़ात की है।एफबीआई के अनुसार, ऐसी ही एक मुलाक़ात 15 सितंबर, 2025 को वर्जीनिया के फेयरफैक्स स्थित एक रेस्टोरेंट में हुई थी। एजेंटों ने बताया कि टेलिस को एक मनीला लिफ़ाफ़ा लेकर आते देखा गया था, जो उनके जाते समय उनके पास नहीं था। अप्रैल 2023 में वाशिंगटन, डीसी के उपनगरीय इलाके में हुए एक और रात्रिभोज की बातचीत आस–पास के लोगों ने सुनी, जिन्होंने बताया कि टेलिस और चीनी अधिकारियों ने ईरानी–चीनी संबंधों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित उभरती तकनीकों पर चर्चा की। अदालती दस्तावेज़ों में 2 सितंबर की एक मुलाक़ात का भी ज़िक्र है, जिसमें टेलिस को कथित तौर पर चीनी अधिकारियों से एक उपहार बैग मिला था। एक बयान में, वर्जीनिया के पूर्वी ज़िले की अमेरिकी अटॉर्नी लिंडसे हॉलिगन ने कहाः हम अमेरिकी लोगों को सभी विदेशी और घरेलू खतरों से बचाने पर पूरी तरह केंद्रित हैं। इस मामले में लगाए गए आरोप हमारे नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक गंभीर ख़तरा हैं।

इक्वाडोर की व्यस्त सड़क पर पिकअप ट्रक में विस्फोट, एक की मौत

इक्वाडोर के बंदरगाह शहर गुआयाकिल की एक व्यस्त सड़क पर मंगलवार शाम एक पिकअप ट्रक में विस्फोट हो गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हुए।

गुआयाकिल अग्निशमन विभाग के मेजर जॉर्ज मोंटेनेरो ने स्थानीय टेलीविजन स्टेशन को बताया कि मारा गया व्यक्ति एक कैब ड्राइवर था, जो कि धमाके वाली जगह के पास में ही था। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस आसपास के इलाके में सभी वाहनों की भी जाँच कर रही है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।